पी र जी ऐ नंबर। TGHIN/26/A7665

श्वेता विजन

"नजरिया साफ, खघ्बरें निष्पक्ष" | हिंदी दैनिक समाचार पत्र

गुरुवार 24 सितम्बर 2026 हैदराबाद से प्रकाशित WEB SITE : Shwetha.co.in संपादक : रघुराम राजू कालीदिंडी पुष्ट – 1। अंक – 9। वर्ष – 8। मूल्य – 3रु

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ललितपुर एलयूसीसी घोटाले से जुड़े 14 मामलों को एक ही मुख्य थ्प्द में जोड़ने का आदेश दिया है.

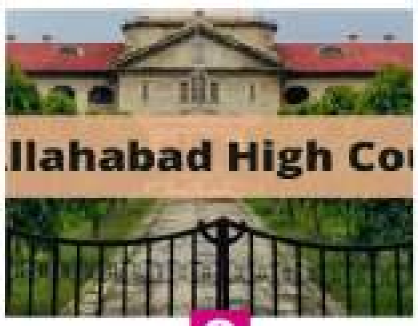

2

व्हाइट डायरेक्टर ने न्ज्ञ में परिवार और दोस्तों के साथ विनायक महोत्सव मनाया

'जज ही जजों की नियुक्ति करते हैं' कहना मिथक, जस्टिस दीपांकर दत्ता ने कॉलेजियम सिस्टम का बचाव किया

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस दीपांकर दत्ता ने न्यायिक नियुक्तियों में कॉलेजियम की भूमिका को लेकर बनी इस धारणा पर सवाल उठाया है कि जज ही जजों की नियुक्ति करते हैं. दीपांकर दत्ता ने कॉलेजियम की ईमानदारी का जोरदार बचाव किया. उन्होंने बार–बार लगाए जाने वाले आरोप को खारिज कर दिया कि 'जज ही जजों को नियुक्ति करते हैं'. यह एक मिथक है जिसे कुछ खास लोगों ने फैलाया है.उन्होंने माना कि कॉलेजियम कई बार लडखडाया है और इसके प्रक्रिया में भी गड़बड़ियां हो सकती हैं. जस्टिस दत्ता ने आगे चेतावनी दी कि जोरदार आलोचना से कोई तय रास्ता नहीं निकलता और कार्यपालिका का दबदबा (म्गमबनजपअम "नचतमउंबल) इसका इलाज नहीं हो सकता.उन्होंने आगाह किया कि नियुक्ति प्रक्रिया को बिगाड़ने वाली सोची–समझी बातें लोगों का भरोसा कम करती हैं.

उन्होंने जोर देकर कहा कि न्यायपालिका से हमेशा बचाव की मुद्रा में रहने की उम्मीद नहीं की जा सकती.जस्टिस दत्ता ने ये जरूरी बातें एक बंटे हुए फैसले में कहीं, जिसका हिस्सा जस्टिस सतीश चंद शर्मा भी थे, उस बेंच ने सुनाया. बेंच 2023 के एक कानून की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर फैसला कर रही थी, जो मुख्य निर्वाचन आयुक्त (ब्म्ब्) और इलेक्शन कमिश्नरों को चुनने वाले पैनल से सीजेआई को बाहर रखता है.जस्टिस दत्ता ने कहा कि कॉलेजियम सिस्टम की असल में अलग–अलग जगहों से आलोचना हुई है. खासकर इसलिए क्योंकि यह बिना किसी बाहरी दखल के काम करता है और चयन, नियुक्ति और ट्रांसफर जैसी सर्विस की दूसरी शर्तों के मामले में पूरी तरह से जज के नियंत्रण में है.उन्होंने कहा कि इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि कॉलेजियम सिस्टम कभी–कभी लड़खड़ा गया है. इसका काम पूरी तरह से गलतफहमियों से मुक्त नहीं रहा है. उन्होंने कहा कि जोरदार आलोचना अपने आप में कोई विकल्प नहीं देती है. हालांकि इस प्रक्रिया में किसी बाहरी व्यक्ति की गैरमौजूदगी जांच को बुला सकती है, लेकिन कार्यकारी सर्वोच्चता इसका इलाज नहीं हो सकती.जस्टिस दत्ता ने आगे कहा कि आजकल हर गलत चुनाव के लिए कॉलेजियम को दोष देना फैशन बन गया है. यह आसानी से भूल जाते हैं कि गलतियां अपवाद हैं. नियम नहीं है. कोई भी प्रणाली इंसानी चुनाव की गलती न होने की गारंटी

दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में व्यासपीठ का पूजन करने के बाद सीएम योगी ने श्रद्धालुओं को संबोधित किया.

गोरखपुर : गोरखनाथ मंदिर में सीएम योगी आदित्यनाथ ने युगपुरुष ब्रह्मल. ीन महंत दिग्विजयनाथ महाराज की 57वीं एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की 12वीं पुण्यतिथि समारोह के उपलक्ष्य में बुधवार को श्रीमद्भागवत महापुराण कथा ज्ञानयज्ञ के शुभारंभ अवसर पर अपने विचार व्यक्त किये.गोरखनाथ मंदिर में सीएम योगी आदित्यनाथ (टपकमव बतमक. पजः म्ज्ट ठींतंज)मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सामान्य जीवन में व्यक्ति यह तय नहीं कर पाता है कि सत्य क्या है और असत्य क्या है. आज के समय में सोशल मीडिया प्लेटफार्म ने सत्य और असत्य के बीच एक नया तथ्य प्रस्तुत कर दिया है, अर्धसत्य का, जो कभी सत्य नहीं होता. ऐसी स्थितियों में पूरी दुनिया की मानवता अवसाद की शिकार है, उसके सामने चुनौती है.

गोरखनाथ मंदिर दिग्विजयनाथ स्मृति भवन समागार में व्यासपीठ का पूजन करने के बाद उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज विज्ञान भले ही कितना ही आगे बढ़ चुका हो, लेकिन जीवन में स्थायी शांति के लिए विश्व की मानवता केवल भारत भूमि को ही देखती है.

गोरखनाथ मंदिर में महिला श्रद्धालु

गोरखनाथ मंदिर में महिला श्रद्धालु (विवजव बतमकपजः म्ज्ट ठींतंज)

भारत भूमि पर पावन कथाओं की परंपरा कठिन चुनौतियों में व्यक्ति का मार्ग सुगम बनाने के लिए मार्गदर्शन करती है. पवित्र कथाओं के वाचन और श्रवण की परंपरा, हजारों वर्षों की विरासत को समझने का भी अवसर होती है. उन्होंने कहा कि व्यक्ति के जीवन में जब आचरण और विचार के बीच साम्यता प्रभावकारी होती है. व्यक्ति जब मनसा, वाचा, कर्मणा से एक दिशा में चलता है तो उसे सफलता प्राप्त होती है.

उन्होंने कहा कि मन, वचन और कर्म में एकरूपता न रहने पर भ्रम की स्थिति पैदा होती है. क्या करना है और क्या नहीं करना है, इसे लेकर भ्रम पैदा होने पर 'न घर का, न घाट का' वाली स्थिति बन जाती है. श्रीमद्भागवत की कथा मनुष्य के इसी भ्रम को दूर करती है.

भक्ति, ज्ञान और निष्काम कर्म की प्रेरणा देती है श्रीमद्भागवत कथा

कथा व्यास मलूकपीठाधीश्वर राजेंद्रद. ास महाराज का गोरक्षपीठ में स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीमद्भागवत महापुराण के वाचन और श्रवण की परंपरा 5000 वर्ष पुरानी है. भारत का श्रद्धालु इस कथा के माध्यम से ज्ञान, भक्ति व निष्काम कर्म की प्रेरणा प्राप्त करता है. जीवन के उद्देश्य व रहस्यों को समझने के

लिए यह कथा अत्यंत महत्वपूर्ण है.

गोरखनाथ मंदिर में पूजा करते सीएम योगी आदित्यनाथ

गोरखनाथ मंदिर में पूजा करते सीएम योगी आदित्यनाथ (विवजव बतमक. पजः म्ज्ट ठींतंज)

उन्होंने कहा कि 5000 वर्ष पहले शुकदेव जी ने राजा परीक्षित को इस कथा का श्रवण कराया, तबसे एक लंबा कालखंड बीत गया. सनातन संस्कृति ने सम–विषम परिस्थितियों सहित तमाम चुनौतियों का सामना किया. उत्थान–पतन की कहानियों के बीच भी यह कथा हम सबकी स्मृतियों में बची रही. यह कथा जीवन की वास्तविकता का एहसास करते हुए अज्ञानता से मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है.मुख्यमंत्री के संबोधन के उपरांत व्यासपीठ पर विराजमान कथा व्यास, वृंदावन से पधारे मलूकपीठाधीश्वर श्रीमदजगद्गुरु द्वाराचार्य अग्रपीठाधीश्वर स्वामी राज. ेद्रदास जी महाराज ने श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा का रसपान कराया. श्रीमद्भागवत महापुराण कथा ज्ञानयज्ञ के शुभारंभ से पूर्व गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में मुख्य मंदिर से कथा स्थल (दिग्विजयनाथ स्मृति भवन समागार) तक शंख ध्वनि की गूंज तथा वेदपाठी विद्यार्थियों के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच महापुराण की शोभायात्रा निकाली गई.

शोभायात्रा के कथा स्थल पहुंचने पर अखंड ज्योति स्थापित की गई. इस अवसर पर जगद्गुरु स्वामी सुग्रीव किलाधीश अयोध्या के विश्वेश प्रपन्नाचार्य, रामलला सदन अयोध्या के जगद्गुरु राघवाचार्य, स्वामी श्रीधराचार्य, महंत नारायण गिरी, अवधेश दास, रामलखन दास, राजू दास, रामानंद दास, बालक दास, जयबख्श दास सहित अनेक संत, यजमान और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे.गोरखपुर में राजकीय महिला शरणालय के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण : सीएम योगी आदित्यनाथ बुधवार को राजकीय महिला शरणालय के लोकार्पण कार्यक्रम में सम्मिलित हुए. इस दौरान उन्होंने कहा कि आज गोरखपुर में 100 बेड की क्षमता वाला राजकीय महिला शरणालय बनकर तैयार हुआ है. इसके लोकार्पण के अवसर पर सभी बहनों–माताओं को हृदय से बधाई देता हूं.लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि घर छोड़ने को मजबूर किसी बेटी या घरेलू हिंसा की शिकार महिला को अब दर–दर की ठोकर नहीं खानी पड़ेगी. गोरखपुर में 100 बेड का राजकीय महिला शरणालय ऐसी महिलाओं का संबल बनेगा. आधी आबादी को सम्मान और सुरक्षा देने के साथ स्वावलंबन के पथ पर आगे बढ़ाकर विकसित भारत की संकल्पना को पूरा करने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है. मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटी के जन्म से लेकर उसकी पढ़ाई, विवाह, सुरक्षा और स्वावलंबन तक सरकार उसके साथ खड़ी है. मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत जन्म से स्नातक तक बेटी के लिए 25 हजार रुपये की सहायता दी जा रही हैइस दौरान सांसद रवि किशन शुक्ला ने कहा कि ठंड मे कोई निराश्रित बेटी या बहन कहा जाएगी और उसे आश्रय कैसे मिलेगा, इसी सोच के साथ मुख्यमंत्री योगी ने आठ करोड़ रुपये से अधिक की लागत से यह शरणालय बनवाया है. उन्होंने कहा कि 2017 के बाद उत्तर प्रदेश ने नई करवट ली है. कानून के राज ने माफिया और गुंडागर्दी पर अंकुश लगाया हैर्य, महंत नारायण गिरी, अवधेश दास, रामलखन दास, राजू दास, रामानंद दास, बालक दास, जयबख्श दास सहित अनेक संत, यजमान और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे.गोरखपुर में राजकीय महिला शरणालय के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण : सीएम योगी आदित्यनाथ बुधवार को राजकीय महिला शरणालय के लोकार्पण . पहले गरीबों की जमीन पर कब्जे और रंगदारी की घटनाए होती थीं, जबकि

भाजपा ने कई राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों के प्रभारी और सह प्रभारी की नियुक्ति की है.

नई दिल्ली : भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने 28 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों के लिए प्रभारी और सह–प्रभारी नियुक्त किए. विनय सहस्रबुद्धे को भाजपा की दिल्ली इकाई का प्रभारी बनाया गया, जामयांग नामग्याल और दर्शना जरदोश को सह–प्रभारी नियुक्त किया गया.विनोद तावडे यूपी के प्रभारी नियुक्तविनोद तावड़े भाजपा की उत्तर प्रदेश इकाई के प्रभारी नियुक्तय जगदीश पटेल, मेधा कुलकर्णी, प्रदीप वर्मा और आनंद को सह प्रभारी बनाया गया. इसके अलावा भाजपा ने संजय भाटिया को राजस्थान प्रभारी नियुक्त किया, कविता पाटीदार और कुलजीत चहल सह प्रभारी नियुक्त. वहीं भाजपा ने बैजयंत जय पांडा को

महाराष्ट्र का प्रभारी बनायाय अमित मालवीय, सदानंद तनावडे और कमलजीत सहरावत सह प्रभारी नियुक्त किए गए हैं.स्मृति ईरानी बनी हरियाणा व छत्तीसगढ़ की प्रभारी

इसी तरह स्मृति ईरानी को हरियाणा एवं छत्तीसगढ़ के लिए भाजपा का प्रभारी बनाया गया जबकि हरीश द्विवेदी को बिहार और कर्नाटक तथा तरुण चुग को गुजरात का प्रभारी नियुक्त किया गया है.राम माधव को तमिलनाडु व सुनील बंस को तेलंगाना का प्रभारइसी क्रम में राम माधव को तमिलनाडु, राजदीप रॉय को मणिपुर, डी. पुरंदेश्वरी को ओडिशा, सुनील बंसल को तेलंगाना एवं पश्चिम बंगाल, बिप्लव देव को मध्य प्रदेश और भारती पवार को गोवा का भाजपा प्रभारी नियुक्त किया गया. भाजपा ने बिप्लव देब को मध्य प्रदेश का इंचार्ज बनायाय भारती पवार को गोवा, सतीश पूनिया को पंजाब और जम्मू कश्मीर का प्रभारी बनाया है. अनिल बलूनी को भाजपा के आईटी सेल का को–ऑर्डिनेटर और आशीष अग्रवाल को संयोजक बनाया गया. जेंद्र पटेल बने झारखंड के प्रभारीवही,

कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने कहा कि अब वे विवादित एसआईआर के खिलाफ अपना अभियान और तेज करेंगे.

नई दिल्ली: कांग्रेस ने कहा है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का वोट चोरी और एसआईआर के खिलाफ रुख वैसे ही सही साबित हुआ है. जैसा कि पहले नोटबंदी, जीएसटी, कोविड और अर्थव्यवस्था के मामलों में हुआ था. पार्टी ने कहा कि वह आने वाले दिनों में मतदाता सूची में हेरफेर के खिलाफ अपने अभियान को और तेज करेगी.

7 अगस्त 2025 को, राहुल गांधी ने एक विशेष विधानसभा सीट महाद. ेवपुरा में 'वोट चोरी' से जुड़े कुछ शोध–आधारित खुलासे किए थे, जो कांग्रेस शासित कर्नाटक की बेंगलुरु सेंट्रल लोकसभा सीट के तहत आती है. बाद में उन्होंने हरियाणा से जुड़े ऐसे ही और खुलासे किए, लेकिन चुनाव आयोग ने उनके आरोपों को खारिज कर दिया और इसके बजाय

विपक्ष के नेता से उनके दावों का समर्थन करने के लिए या तो माफी मांगने या एक हलफनामा देने की मांग की. तब से, राहुल ने इस मुद्दे को लगातार उठाया है और चुनाव आयोग तथा सत्तारूढ़ बीजेपी के बीच साठगांठ का आरोप लगाया है, क्योंकि इस प्रक्रिया में करोड़ों मतदाताओं को कथित तौर पर मतदाता सूची से हटाया गया.

महाराष्ट्र के लिए प्रभारी कांग्रेस सचिव बीएम संदीप ने ईटीवी भारत को बताया, "मतदाता सूची में हेरफेर के मामले में हमारे नेता का रुख एक बार फिर सच साबित हुआ है. नोटबंदी, गलत जीएसटी, कोविड प्रबंधन और अर्थव्यवस्था में गिरावट को लेकर उनकी कई पुरानी भविष्यवाणियां भी सच साबित हुई थीं, हालांकि सरकार ने शुरुआत में उनका मजाक उड़ाया था. अब वोट चोरी और ैप्त् के मामले में भी ऐसा ही हुआ है. पिछले साल से हमारे नेता इस मुद्दे के खिलाफ लगातार आवाज उठा रहे हैं."उन्होंने आगे कहा, "हम अब वोट चोरी के खिलाफ अपने अभियान को और तेज करेंगे, खासकर उन राज्यों में जहां 2027 में चुनाव होने वाले हैं. मतदाता सूची हमारे लिए सर्वोपरि है और 'संगठन सृजन' अभियान के तहत नियुक्त किए जा रहे सभी नए जिला प्रमुखों को मतदाता सूची की

मायहोम भुजा लड्डू 25 लाख रुपये में बिका

गणेश लड्डू.. भक्ति से समाज सेवा तक
लड्डू नीलामी.. मायहोम भुजा में हर साल धूम

हैदराबाद में गणेश नवरात्रि के जश्न के दौरान लड्डू नीलामी एक खास आकर्षण बन गई है। खास तौर पर ⅊ कॉरिडोर की खास गेटेड कम्युनिटी में होने वाली नीलामी में हर साल लोगों की दिलचस्पी बढ़ती है। इसी सिलसिले में, रायदुर्गम में मायहोम भुजा में हुई गणेश लड्डू नीलामी एक बार फिर सुर्खियों में है। ऑर्गनाइजर ने बताया कि इस साल, चित्तूरी प्रसाद ने यह लड्डू 25 लाख रुपये में खरीदा। गणेश लड्डू भक्तों की आस्था में एक खास जगह रखते हैं। कई भक्तों का मानना ⅛है कि लड्डू प्रसाद घर ले जाने से सेहत, पैसा और खुशहाली आती है। इसीलिए भक्त नीलामी में भारी रकम खर्च करने के लिए आगे आते हैं।

मायहोम भुजा की बात करें तो, ⅊ कॉरिडोर की सबसे बड़ी प्रीमियम रेजिडेंशियल कम्युनिटी में से एक, इस इलाके में हर साल गणेश उत्सव का आयोजन किया जाता है। अगर पिछले तीन सालों की कीमतों को देखें, तो 2023 में यह 25.50 लाख रुपये में बिका, 2024 में 29 लाख रुपये में और 2025 में 51.77 लाख रुपये में बिका। 2026 में चित्त. ूरी प्रसाद को यह लड्डू 25 लाख रुपये में मिला। हालांकि इस साल की कीमत पिछले साल के रिकॉर्ड से कम है, फिर भी हैदराबाद गणेश उत्सव में डलभ्वउम भुजा लड्डू की नीलामी अनोखी बनी हुई है। आखिर में, इस नीलामी का संदेश एक ही है.. भक्ति, परंपरा और समाज सेवा.. जब ये तीना. ं एक साथ आते हैं, तो एक लड्डू की नीलामी भी एक बड़ा सामाजिक कार्यक्रम बन जाती है।

वरना, डलभ्वउम भुजा लड्डू नीलामी का एक अनोखा इतिहास है। हालांकि, 2022 में यह लड्डू 20.50 लाख रुपये में बिका था। 2023 में, पांच किलो का लड्डू 25.50 लाख रुपये में बिका था। उस साल, रियल्टर ई. चिरंजीवी गौड़ ने नीलामी में लड्डू जीता था। 2024 में यह कीमत और बढ़कर 29 लाख रुपये हो गई।2025 में, डलभ्वउम भुजा लड्डू नीलामी ने पिछले सभी रिकॉर्ड तो़

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ललितपुर एलयूसीसी घोटाले से जुड़े 14 मामलों को एक ही मुख्य थ्ट में जोड़ने का आदेश दिया है.

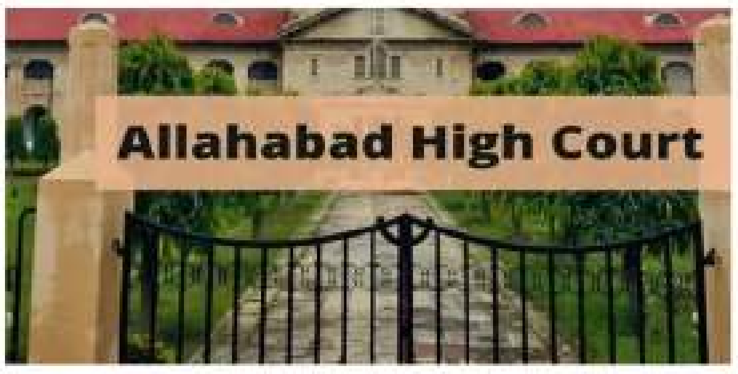

प्रयागराजः ललितपुर में एलयूसीसी में जमा पैसों की मैच्योरिटी रकम न मिलने के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बड़ा आदेश दिया है. अदालत ने अलग-अलग थानों में दर्ज 14 एफआईआर को एक ही मामले से जुड़ा मानते हुए पहली एफआईआर में शामिल करने का निर्देश दिया है. न्यायमूर्ति चंद्रधारी सिंह और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की पीठ ने कहा कि सभी मामलों में घटना, आरोप और लेन-देन का आधार एक जैसा है. अदालत के मुताबिक केवल अलग-अलग थानों में मामला दर्ज होने से केस का स्वरूप नहीं बदल जाता.2024 में समय पूरा होने पर भी नहीं लौटाए गए थे पैसेः मामले के अनुसार लोगों ने एलयूसीसी में फिक्स्ड डिपॉजिट और आवर्ती जमा के रूप में अपनी गाढ़ी कमाई जमा की थी. वर्ष 2024 में समय पूरा होने के बाद भी जब लोगों को पैसे वापस नहीं मिले, तो आक्रोश बढ़ गया. इसके बाद ललितपुर के अलग-अलग थानों में कंपनी और उससे जुड़े लोगों के खिलाफ मामले दर्ज होने लगे. सबसे पहली एफआईआर 18 जुलाई 2024 को कोतवाली ललितपुर में दर्ज की गई थी.

एक साथ केस चलाने के पक्ष में वकीलों ने दी दलीलेंः इसके बाद इसी तरह के आरोपों को लेकर 14 और मुकदमे दर्ज किए गए. याचिकाकर्ता के वकील जी के दीक्षित और अनुराग त्रिपाठी ने अदालत में दलील दी कि सभी मामले एक ही कंपनी और समान लेन-देन से जुड़े हैं. अलग-अलग मुकदमे चलाने से कई बार जाँच होगी और विरोधाभासी फैसले आने की आशंका बनी रहेगी. हालाँकि राज्य सरकार के वकील ने इसका विरोध करते हुए कहा कि शिकायतकर्ता और घटना के स्थान अलग-अलग हैं.

अदालत ने मानाक् अलग-अलग जांच से बढ़ेगी कानूनी उलझनः पीठ ने माना कि एक ही लेन-देन से जुड़े मामलों में एफआईआर की प्रकृति एक जैसी होनी चाहिए. इस मामले में घटनाओं की निरंतरता और आरोपों की समानता साफ तौर पर देखी गई है. अदालत ने कहा कि सभी मामलों को अलग-अलग चलाना कानूनी प्रक्रिया में बेवजह की देरी का कारण बनेगा. इसलिए अदालत ने 18 जुलाई 2024 की एफआईआर को मुख्य मामला माना है.कोतवाली ललितपुर भेजी जाएगी बाकी मामलों की जांचः कोर्ट ने बाकी सभी 14 मामलों को मुख्य एफआईआर के साथ जोड़ने के निर्देश दिए हैं. जिन मामलों में अभी तक चार्जशीट दाखिल नहीं हुई है, उनकी फाइल जाँच के लिए कोतवाली ललितपुर भेजी जाएगी. वहीं जिन मामलों में अदालत पहले ही संज्ञान ले चुकी है, वे भी मुख्य केस के साथ जुड़कर एक ही कोर्ट में चलेंगे. इस फैसले से पीड़ितों को जल्द न्याय मिलने की उम्मीद जगी है.

G-P-O- (ग्राम परिपालन अधिकारी), पेड्डापेटा ळ.च्., भीमनी मंडल, मंचिरियल जिला और एक अन्य ।ब्ठ की गिरफ्त में

अमीर हुसैन, क्राइम ब्यूरो चीफ

आरोपी अधिकारी (।व्) श्री दुर्गा प्रसाद, ळ.च्व्. (ग्राम परिपालन अधिकारी), पेड्डापेटा ळ.च्., भीमनी मंडल, मंचिरियल जिला को ।ब्ठ आदिलाबाद रेंज यूनिट ने पेड्डापेटा के बाहरी इलाके में खेतों के पास रंगे हाथों पकड़ा। वे शिकायतकर्ता से 1,30,000 रुपये की रिश्वत की मांग कर रहे थे और उसकी पहली किश्त के तौर पर 80,000 रुपये ले रहे थे।

।व् ने शिकायतकर्ता के नाम जमीन के ट्रांसफर को मंजूरी देने और पट्टा पासबुक जारी करने के मामले में सरकारी मदद के लिए 1,30,000 रुपये की मांग की थी। उन्होंने निर्देश दिया था कि पहली किश्त के तौर पर 80,000 रुपये दिए जाएं और बाकी 50,000 रुपये काम पूरा होने के बाद दिए जाएं।

ट्रैप की कार्रवाई के दौरान, ।व् अपनेसाथी ।-2 श्री पोथु राजेंद्र (उम्र 33 साल, निवासी बिट्टूरपल्ली) के साथ ।-2 की मोटरसाइकिल पर आए और शिकायतकर्ता को निर्देश दिया कि वह 80,000 रुपये ।-2 को सौंप दे। इसके बाद शिकायतकर्ता ने वह रकम ।-2 को सौंप दी। रिश्वत की 80,000 रुपये की रकम ।-2 से बरामद की गई। ।-2 के हाथों पर किए गए केमिकल टेस्ट का नतीजा पॉजिटिव आया और उनके हाथ गुलाबी हो गए।

इस तरह, ।व् ने 1,30,000 रुपये की अवैध रिश्वत की मांग की और अपने सरकारी पद का गलत इस्तेमाल करके सरकारी मदद देने के बदले ।-2 के जरिए 80,000 रुपये की पहली किश्त स्वीकार की।इसलिए, ।व् और ।-2 को गिरफ्तार किया जा रहा है और उन्हें ज्यूडिशियल रिमांड के लिए करीमनगर में ैच्म् और ।ब्ठ मामलों के माननीय स्पेशल जज के सामने पेश किया जा रहा है। मामले की जांच चल रही है। सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ता की जानकारी गुप्त रखी गई है। सेल फोननंबर-1064 (टोल-फ्री नंबर)ः

अगर कोई सरकारी कर्मचारी रिश्वत मांगता है, तो जनता से अनुरोध है कि वे ।ब्ठ के टोल-फ्री नंबर 1064 पर संपर्क करें ताकि कानून के अनुसार कार्रवाई की जा सके। ।ब्ठ तेलंगाना से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे ॅंजे।चच (9440446106), थ्ंबमइववा (ज्मसंदहंद ।ब्ठ) और ग्ष्पहले का ज्ूपजजमत (ज्मसंदहंद ।ब्ठ) के जरिए भी संपर्क किया जा सकता है। पीड़ितध्शिकायतकर्ता का नाम और जानकारी गुप्त रखी जाएगी।

2ध्9ध्26. क्ळ.ब् एंटी-करप्शन ब्यूरो, ज्ैए हैदराबाद।

यूपी में 75 जिलों के व्यापारियों का डेटा बैंक बनाएगी पार्टी, जानिए अखिलेश यादव का 2027 का मास्टरप्लान

वाराणसीः 2027 का चुनाव नजदीक आते ही बीजेपी और विपक्षी दलों ने वोट बैंक मजबूत करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है. जहां बीजेपी अपने छोटे-बड़े नेताओं को सीधे जमीन पर उतार रही है, वहीं सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पीडीए गठबंधन के साथ व्यापारियों को जोड़ने में जुटे हैं. समाजवादी पार्टी सरकार की नीतियों से परेशान व्यापारियों को एकजुट करने का अभियान चला रही है. पार्टी का लक्ष्य 75 जिलों और 18 मंडलों के व्यापारी नेताओं को एक मंच पर लाना है.पश्चिमी यूपी के बाद अब पूर्वी यूपी में व्यापारी सम्मेलन की बारीः यह अभियान पश्चिमी उत्तर प्रदेश से शुरू होकर अब पूर्वी यूपी और अवध के इलाकों तक पहुंच चुका है. इसका मुख्य मकसद चुनाव से पहले व्यापारियों की समस्याओं को बड़ा मुद्दा बनाकर सरकार को घेरना है. समाजवादी व्यापार सभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल ने बताया कि अखिलेश यादव के निर्देश पर पार्टी मण्डलीय सम्मेलनों का कार्यक्रम कर रही है. इन सम्मेलनों के जरिए सपा सरकार के समय हुए व्यापारी हित के कामों की जानकारी दी जा रही है.ळैज और ऑनलाइन बाजार की मार से परेशान व्यापारीः प्रदीप जायसवाल का कहना है कि आज का व्यापारी हर तरफ से संकट में घिरा हुआ है. जीएसटी के नाम पर उनका शोषण हो रहा है और सुरक्षा के दावे भी हवा-हवाई साबित हो रहे हैं. अतिक्रमण और कड़े नियमों का हवाला देकर दुकानदारों को परेशान किया जा रहा है. रही-सही कसर ऑनलाइन मार्केट ने पूरी कर दी है, जहां दवा से लेकर सब्जियां तक ऑनलाइन बिक रही हैं.18 मंडलों के व्यापारियों का डेटा बैंक तैयार करेगी सपाः अखिलेश यादव का मानना है कि 2027 में सपा सरकार बनाने के लिए व्यापारियों की भूमिका सबसे अहम रहने वाली है. मेरठ, बरेली, मुरादाबाद, आगरा और मथुरा जैसे मंडलों में ये कार्यक्रम पूरे हो चुके हैं. अब लखनऊ, कानपुर, बनारस और मिर्जापुर मंडलों में ये कार्यक्रम पूरे किए जाएंगे. सम्मेलनों के बाद व्यापारियों का डेटा बैंक तैयार किया जाएगा ताकि उनकी समस्याओं का समाधान और जरूरत पड़ने पर मदद की जा सके.चुनाव से पहले बड़ा मास्टरस्ट्रोक, दशहरे-दीवाली तक चलेगा अभियानः व्यापारियों की समस्याओं की सुनवाई न होने के कारण अखिलेश यादव का यह प्लान काफी असरदार माना जा रहा है. मेरठ, आगरा, गोरखपुर, मुरादाबाद और अलीगढ़ जैसे मंडलों में बैठकें हो चुकी हैं. अब 26 सितम्बर को अयोध्या, 27 सितम्बर को मीरजा.

श्वेता विजन
सच देखे | सही दिखाए

सीनियर सिविल जज और डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी (क्सै।) की सेक्रेटरी श्रीमती ए. श्रीदेवी ने बच्चों और बुजुर्गों के होम का दौरा किया

अमीर हुसैन, क्राइम ब्यूरो चीफ

हैदराबाद: डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी (क्सै।), नामपल्ली, हैदराबाद की सेक्रेटरी श्रीमती ए. श्रीदेवी ने मलकपेट में श्री शिरडी साई ओल्ड एज होम और दिलसुखनगर में आदर्श चिल्ड्रन्स होम का दौरा किया।दौरे के दौरान, उन्होंने ओल्ड एज होम में रहने वाले बुजुर्गों से स्नेहपूर्वक बातचीत की और उनका हाल–चाल जाना। उन्होंने वहाँ की सुविधाओं, जैसे कि भोजन, रहने की व्यवस्था, चिकित्सा सुविधाएँ और साफ–सफाई के स्तर का निरीक्षण किया। उन्होंने उन्हें भरोसा दिलाया कि डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी बुजुर्गों को जरूरी कानूनी सहायता देने के लिए हमेशा उपलब्ध है।इसके बाद, उन्होंने दिलसुखनगर में आदर्श चिल्ड्रन्स होम का दौरा किया, बच्चों से बात की

और उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य, रहने की व्यवस्था और अन्य सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बच्चों को अच्छी शिक्षा के साथ–साथ सुरक्षित माहौल देना सभी की जिम्मेदारी है।श्रीमती ए. श्रीदेवी ने बच्चों और बुजुर्गों के अधिकारों की रक्षा करने वाले कानूनों के बारे में भी जागरूकता फैलाई और बताया कि जरूरत पड़ने पर वे मुफ्त कानूनी सहायता ले सकते हैं।संबंधित ओल्ड एज होम और चिल्ड्रन्स होम के इंचार्ज स्टाफ सदस्यों ने इस दौरे में हिस्सा लिया।

पंजाब: सीमा पार से तस्करी, फरीदकोट में चार गिरफ्तार, 47.

चंडीगढ़: पंजाब पुलिस ने रविवार को सीमा पार से हेरोइन तस्करी करने वाले रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए फरीदकोट से चार लोगों को पकड़ा और उनके पास से 47.3 किलोग्राम हेरोइन, तीन पिस्तौल, तीन मैगजीन, 15 कारतूस और दो गाड़ियां जब्त की. पंजाब के पुलिस महानिदेशक (क्ळच्) गौरव यादव ने कहा कि शुरुआती जांच के मुताबिक, आरोपियों के पंजाब में हेरोइन और गैर–कानूनी हथियारों की सीमा पार से तस्करी करने वाले नेटवर्क से संबंध हैं.

उन्होंने यह भी बताया कि फरीदकोट में थ्प् दर्ज की गई थी. आरोपियों के बड़े नेटवर्क के साथ संबंधों का पता लगाने के लिए आगे की जांच चल रही है.

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अंकुश, मंगल सिंह, सचिन उर्फ घ्घसंजू और अनमोल सिंह के रूप में हुई है. सभी फिरोजपुर के रहने वाले हैं.

ऑपरेशन का विवरण साझा करते हुए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (ै्च्) गुरबंस सिंह बैंस ने बताया कि आने वाले बाबा फरीद आगमन पर्व (ठंइं थ्तपक |हंउंद च्नतंइ) के लिए की गई विशेष नाकाबंदी के दौरान, सीआईए (अपराध जांच एजेंसी) फरीदकोट की एक टीम ने शनिवार और रविवार की मध्यरात्रि एक होंडा सिटी कार को रोका. टीम ने तलाशी के दौरान चार लोगों को पकड़ लिया और 47.3 किलोग्राम हेरोइन की बड़ी खेप के साथ–साथ अवैध हथियार और गोला–बारूद भी जब्त कर लिया गया.उन्होंने आगे कहा, "जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि यह गिरोह राज्य में सप्लाई के लिए फाजिल्का और फिरोजपुर जिलों में सीमा पार से ड्रोन के जरिये हेरोइन और हथिय तीन पिस्तौल, तीन मैगजीन, 15 कारतूस और दो गाड़ियां जब्त की. पंजाब के पुलिस महानिदेशक (क्ळच्) गौरव यादव ने कहा कि शुरुआती जांच के मुताबिक, आरोपियों के पंजाब में हेरोइन और गैर–कानूनी हथियारों की सीमा पार से तस्करी करने वाले नेटवर्क से संबंध है.उन्होंने यह भी बताया कि फरीदकोट में थ्प् दर्ज की गई थी. आरोपियों के बड़े नेटवर्क के साथ संबंधों का पता लगाने के लिए आगे की जांच चल रही हैपुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अंकुश, मंगल सिंह, सचिन उर्फ घ्घसंजू और अनमोल सिंह के रूप में हुई है. सभी फिरोजपुर के रहने वाले हैं.

ऑपरेशन का विवरण साझा करते हुए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (ै्च्) गुरबंस सिंह बैंस ने बताया कि आने वाले बाबा फरीद आगमन पर्व (ठंइं थ्तपक |हंउंद च्नतंइ) के लिए की गई विशेष नाकाबंदी के दौरान, सीआईए (अपराध जांच एजेंसी) फरीदकोट की एक टीम ने शनिवार और रविवार की मध्यरात्रि एक होंडा सिटी कार को रोका. टीम ने तलाशी के दौरान चार लोगों को पकड़ लिया और 47.3 किलोग्राम हेरोइन की बड़ी खेप के साथ–साथ अवैध हथियार और गोला–बारूद भी जब्त कर लिया गया.उन्होंने आगे कहा, "जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि यह गिरोह राज्य में सप्लाई के लिए फाजिल्का और फिरोजपुर जिलों में सीमा पार से ड्रोन के जरिये हेरोइन और हथियारों की खेप प्राप्त कर रहा था. आगे की जांच जारी है."शनिवार को, काउंटर इंटारों की खेप प्राप्त कर रहा था. आगे की जांच जारी है."

शनिवार को, काउंटर इंटेलिजेंस (ब्) अमृतसर ने सीमा पार से नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले एक और मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया था. उनके पास से 17 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई थी.

पुलिस ने गिरफ्तार लोगों की पहचान प्रिंस, मलकीत सिंह और राजिंदर सिंह के तौर पर की है, सभी अमृतसर के रहने वाले हैं. हेरोइन के अलावा, पुलिस टीमों ने एक कार भी जब्त की जिसका इस्तेमाल तस्करी के सामान को ले जाने में किया गया था.चंडीगढ़: पंजाब पुलिस ने रविवार को सीमा पार से हेरोइन तस्करी करने वाले रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए फरीदकोट से चार लोगों को पकड़ा और उनके पास से 47.3 किलोग्राम हेरोइन, तीन पिस्तौल, तीन मैगजीन, 15 कारतूस और दो गाड़ियां जब्त कीं. पंजाब के पुलिस महानिदेशक (क्ळच्) गौरव यादव ने कहा कि शुरुआती जांच के मुताबिक, आरोपियों के पंजाब में हेरोइन और गैर–कानूनी हथियारों की सीमा पार से तस्करी करने वाले नेटवर्क से संबंध हैं.उन्होंने यह भी बताया कि फरीदकोट में थ्प् दर्ज की गई थी. आरोपियों के बड़े नेटवर्क के साथ संबंधों का पता लगाने के लिए आगे की जांच चल रही हैपुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अंकुश, मंगल सिंह, सचिन उर्फ घ्घसंजू और अनमोल सिंह के रूप में हुई है. सभी फिरोजपुर के रहने वाले हैं.

ऑपरेशन का विवरण साझा करते हुए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (ै्च्) गुरबंस सिंह बैंस ने बताया कि आने वाले बाबा फरीद आगमन पर्व (ठंइं थ्तपक |हंउंद च्नतंइ) के लिए की गई विशेष नाकाबंदी के दौरान, सीआईए (अपराध जांच एजेंसी) फरीदकोट की एक टीम ने शनिवार और रविवार की मध्यरात्रि एक होंडा सिटी कार को रोका. टीम ने तलाशी के दौरान चार लोगों को पकड़ लिया और 47.3 किलोग्राम हेरोइन की बड़ी खेप के साथ–साथ अवैध हथियार और गोला–बारूद भी जब्त कर लिया गया.उन्होंने आगे कहा, "जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि यह गिरोह राज्य में सप्लाई के लिए फाजिल्का और फिरोजपुर जिलों में सीमा पार से ड्रोन के जरिये हेरोइन और हथियारों की खेप प्राप्त कर रहा था. आगे की जांच जारी है."शनिवार को, काउंटर इंटेलिजेंस (ब्) अमृतसर ने सीमा पार से नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले एक और मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया था. उनके पास से 17 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई थी.

पुलिस ने गिरफ्तार लोगों की पहचान प्रिंस, मलकीत सिंह और राजिंदर सिंह के तौर पर की है, सभी अमृतसर के रहने वाले हैं. हेरोइन के अलावा, पुलिस टीमों ने एक कार भी जब्त की जिसका इस्तेमाल तस्करी के सामान को ले जाने

पीएम मोदी की अनकही कहानियों का यूपी में होगा नाट्यमंचन, रंगमंच पर दिखेगी 25 साल की सेवा यात्रा

पूर्व अध्यक्ष और जेएनयू के पूर्व वीसी एम. जगदेश कुमार, पूर्व रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने, पूर्व पर्यावरण सचिव लीना नंदन और सीआईएसएफ की पूर्व महानिदेशक नीना सिंह शामिल हैं. इसके साथ ही विदेश मंत्री एस. जयशंकर का नाम भी दस्तावेजों के मिलान न होने के कारण चर्चा में है. निर्वाचन आयोग की स्पष्ट सफाई, घबराने की जरूरत नहींदेशभर में इस हाई–प्रोफाइल सूची के सामने आने के बाद और उठ रहे सवालों के बीच निर्वाचन आयोग ने स्थिति स्पष्ट की है. आयोग का कहना है कि नोटिस मिलने मात्र से किसी भी व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से बाहर नहीं माना जाएगा. यह केवल लॉजिकल डिसक्रिपेंसीज या पिछले ैप् डेटा से सीधे लिंक न हो पाने के कारण एक सत्यापन प्रक्रिया है. आयोग के नियमों के मुताबिक, जिन भी मतदाताओं या अधिकारियों को नोटिस मिले हैं, वे संबंधित निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (म्त्व्) के समक्ष अपने जरूरी दस्तावेज और सही विवरण प्रस्तुत कर प्रविष्टियों का सत्यापन करा सकते हैं. दिल्ली में चल रहे इस व्यापक अभियान के तहत 33 लाख से अधिक मतदाताओं को नोटिस भेजे गए हैं. प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि 29 अक्टूबर तक सभी आपत्तियों और नोटिसों का निस्तारण कर दिया जाएगा.

मंत्री दिनेश प्रताप सिंह का राहुल गांधी पर तंज, बोले– भारत को नुकसान पहुंचाने के लिए जासूसी कर रहे

बहराइच : जिले के प्रभारी मंत्री दिनेश प्रताप सिंह रविवार को बहराइच

दौरे पर थे. उन्होंने राहुल गांधी व पूर्व उप राष्ट्रपति हामिद अंसारी पर जमकर हमला बोला. उन्होंने एनएसए चीफ अजीत डोभाल की जमकर तारीफ की. राहुल गांधी द्वारा अजीत डोभाल पर की गई टिप्पणी पर उन्होंने कहा कि मुझे गर्व है अपने अजीत डोभाल पर. राहुल गांधी ने जासूसी की है देश के खिलाफ और दूसरे देशों के पक्ष में.उन्होंने कहा, भारत को नुकसान पहुंचाने के लिए अगर कोई जासूसी कर रहा है, तो उसका नाम है राहुल गांधी. देश के लिए जिसने जासूसी की है उसका नाम है अजीत डोभाल. दोनों की तुलना निसंदेह एक सूरज और एक क्या कहें, कुछ कह नहीं सकता हूं. इस स्तर की तुलना है. अजीत डोभाल भारत के लिए पाकिस्तान में नाई बन के रहे. चर्चा सुनते हैं कि कहीं दाढ़ी बना रहे थे, तो कहीं होटल में काम कर रहे थे. भारत के लिए किस–किस रूप में किया.दिनेश प्रताप सिंह का राहुल गांधी पर तंज. (टपकमव बतमकपजरू ।छप्)

प्राणों की बाजी लगा करके जो व्यक्ति भारत के लिए जासूसी करता हो, ऐसे जासूस पर मुझे गर्व है, हर भारतवासी को गर्व होगा. राहुल गांधी को सवाल उठाने के लिए भारत के संविधान ने और भारत की जनता ने अधिकृत किया है, तो लोकसभा में क्यों सवाल नहीं उठाते? जब लोकसभा में सवाल उठाने के लिए समय आता है, तो कंबोडिया में होते हैं, कहीं दूसरे देश में होते हैं, मौज–मस्ती करने के लिए चले जाते हैं.भारत की जनता की सेवा के लिए और नेता प्रतिपक्ष के दायित्वों का निर्वहन करने के लिए राहुल गांधी के पास समय नहीं है. केवल यह आरोप मिथ्या लगाते हैं कि किसी की बात सुनी नहीं जाती. हमारे यहां 'सबका साथ, सबका विकास' की अवधारणा के साथ भारतीय जनता पार्टी और भारत सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार काम कर रही है. सबको अवसर है, चाहे जो बात कहे.पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी के दक्षिणपंथी हिन्दू सांप्रदायिकता को कम्युनलिज्म से ज्यादा खतरनाक बताने पर उन्होंने कहा कि जिस भारत ने उनको उपराष्ट्रपति के रूप में सम्मान दिया, जिस भारत की रोटी और नमक खा करके वो भारत के ऊपर इस तरह का आरोप लगा रहे हैं, मैं इसकी निंदा करता हूं. इतनी ऊंचाइयों पर अगर भारत न होता, तो किसी दूसरे राष्ट्र में उपराष्ट्रपति जैसे पद पर सम्मान पाने का हक शायद हामिद को कभी न मिलता.प्राणों की बाजी लगा करके जो व्यक्ति भारत के लिए जासूसी करता हो, ऐसे जासूस पर मुझे गर्व है, हर भारतवासी को गर्व होगा. राहुल गांधी को सवाल उठाने के लिए भारत के संविधान ने और भारत की जनता ने अधिकृत किया है, तो लोकसभा में क्यों सवाल नहीं उठाते? जब लोकसभा में सवाल उठाने के लिए समय आता है, तो कंबोडिया में होते हैं, कहीं दूसरे देश में होते हैं, मौज–मस्ती करने के लिए चले जाते हैं.भारत की जनता की सेवा के लिए और नेता प्रतिपक्ष के दायित्वों का निर्वहन करने के लिए राहुल गांधी के पास समय नहीं है. केवल यह आरोप मिथ्या लगाते हैं कि किसी की बात सुनी नहीं जाती. हमारे यहां 'सबका साथ, सबका विकास' की अवधारणा के साथ भारतीय जनता पार्टी और भारत सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार काम कर रही है. सबको अवसर है, चाहे जो बात कहे.पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी के दक्षिणपंथी हिन्दू सांप्रदायिकता को कम्युनलिज्म से ज्यादा खतरनाक बताने पर उन्होंने कहा कि जिस भारत ने उनको उपराष्ट्रपति के रूप में सम्मान दिया, जिस भारत की रोटी और नमक खा करके वो भारत के ऊपर इस

श्वेता विजन
सच देखे | सही दिखाए

स्टाफ क्वार्टर निर्माण मामले में गरमाई सियासतः [illegible] की गोपनीय बातें सार्वजनिक होने पर अध्यक्ष अजय महावर ने जताई कड़ी आपत्ति

नई दिल्ली: दिल्ली विधानसभा की लोक लेखा समिति ([illegible]) के अध्यक्ष और विधायक अजय महावर ने समिति की कार्यवाही को सार्वजनिक करने और इसे राजनीतिक रंग देने के प्रयासों पर गंभीर आपत्ति जताई है. उन्होंने स्पष्ट किया है कि लोक लेखा समिति पूरी तरह से निष्पक्ष रूप से नियमों के दायरे में रहकर काम कर रही है और किसी भी दबाव के आगे नहीं झुकेगी. इस पूरे मामले को विशेषाधिकार हनन के दृष्टिकोण से विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष रखा जाएगा.सोमवार को [illegible] अध्यक्ष अजय महावर ने बताया कि लगभग 60 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले स्टाफ क्वार्टर के निर्माण से जुड़ा मामला समिति के पास जांच के लिए आया है. यह जांच पूरी तरह से भारत के नियंत्रक–महालेखापरीक्षक ([illegible]) की रिपोर्ट में उठाए गए मुद्दों और पैराग्राफ 2.5 के दायरे में की जा रही है. समिति मुख्य रूप से इस बात की तथ्यात्मक जांच कर रही है कि लोक निर्माण विभाग द्वारा दरों के निर्धारण के लिए पुरानी दर प्रणाली का उपयोग क्यों किया गया और लागत अनुमान का आधार क्या था. इसके अलावा, निर्माण क्षेत्र में हुई बढ़ोतरी और उससे जुड़े वित्तीय प्रभावों की भी बारीकी से समीक्षा की जा रही है.निर्माण क्षेत्र और लागत में भारी वृद्धि पर सवाल

[illegible] रिपोर्ट के अनुसार, स्टाफ क्वार्टर का निर्माण क्षेत्र लगभग 1,397 वर्ग मीटर से बढ़ाकर करीब 1,905 वर्ग मीटर कर दिया गया था. इससे लगभग 18.88 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय प्रभाव पड़ा है.स्टाफ ब्लॉक के निर्माण को लेकर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं. [illegible] के मुताबिक, एक विशिष्ट उद्देश्य के लिए स्वीकृत धन का एक हिस्सा दूसरे मद में डायवर्ट किया गया. समिति यह जांच कर रही है कि यदि मूल योजना के अनुसार स्टाफ ब्लॉक नहीं बनाया गया, तो फंड के इस्तेमाल की अनुमति किसने दी, इसके लिए सक्षम प्राधिकारी कौन था और संबंधित भुगतान किस आधार पर किए गए. पुराने क्वार्टरों को गिराने, नए निर्माण, ठेकेदारों की पात्रता और भुगतानों से जुड़े पहलुओं की भी जांच की जा रही है.

अजय महावर ने कहा कि लोक लेखा समिति की कार्यवाही पूरी तरह से गोपनीय होती है और अंतिम रिपोर्ट आने से पहले इसे सार्वजनिक नहीं किया जा सकता. हाल ही में जब स्टाफ क्वार्टर के मामले में दस्तावेजों की छानबीन चल रही थी, तब कुछ गोपनीय जानकारियों को सार्वजनिक कर दिया गया और इसे राजनीतिक रंग देने की कोशिश की गई. उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राजनीतिक दल आपस में आरोप–प्रत्यारोप लगा सकते हैं, लेकिन [illegible] जैसी गरिमामयी संस्था को राजनीतिक विवाद में घसीटना उचित नहीं है. समिति की गोपनीय सामग्री को सोशल मीडिया पर प्रसारित करने और राजनीतिक लाभ के लिए उपयोग करने के मामले को विशेषाधिकार के तहत विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष उठाया जाएगा.

प्रस्तावित साइट विजिट स्थगित, जल्द होगी अगली कार्रवाई

मामले को राजनीतिक रंग दिए जाने और स्वतंत्र जांच प्रक्रिया को प्रभावित करने के प्रयासों के चलते सोमवार को प्रस्तावित साइट निरीक्षण को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है. अध्यक्ष ने चेतावनी दी कि समिति पर दबाव बनाने के हर प्रयास को विफल किया जाएगा. विधानसभा के नियमों और स्थापित संसदीय परंपराओं का पालन करते हुए, सभी आवश्यक परमिशन के साथ बहुत जल्द अगला साइट निरीक्षण किया जाएगा. उन्होंने दोहराया कि सार्वजनिक धन के उपयोग में पारदर्शिता लाना और [illegible] रिपोर्ट के सवालों के तथ्यात्मक उत्तर खोजना ही [illegible] का मुख्य कर्तव्य है.

5 रुपये से 40 रुपये तक पहुंचा कैन् शुल्क, छात्र संघ के 79 साल के सफर में कई बार बदली व्यवस्था

नई दिल्ली: दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (कैन्) का नाम आते ही छात्र राजनीति, चुनाव और चार प्रमुख पदों की तस्वीर सामने आती है. डूसू के इतिहास का एक पहलू उसका शुल्क भी है. कैन् के करीब 79 साल के सफर में सिर्फ चुनावी व्यवस्था ही नहीं बदली, बल्कि छात्रसंघ से जुड़ा शुल्क भी कई गुना बढ़ा है. विश्वविद्यालय प्रशासन के रिकॉर्ड के मुताबिक, 2012–13 तक छात्रों से कैन् के लिए महज 5 रुपये शुल्क लिया जाता था. विश्वविद्यालय प्रशासन के रिकॉर्ड के मुताबिक, डूसू शुल्क में सबसे पहले बड़ा बदलाव वर्ष 2013–14 में हुआ, जब इसे 5 रुपये से बढ़ाकर 20 रुपये किया गया.6 अगस्त 1947 को दिल्ली विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद की बैठक में छात्रों के प्रतिनिधि संगठन की स्थापना का प्रस्ताव सामने आया था. विश्वविद्यालय प्रशासन के रिकॉर्ड के अनुसार, तत्कालीन कुल. पति ने परिषद को बताया था कि छात्रों का एक प्रतिनिधि समूह विश्वविद्यालय में छात्रों का संघ बनाना चाहता है. इसके लिए एक समिति गठित कर संविधान और कामकाज की प्रक्रिया तैयार करने का प्रस्ताव रखा गया था. शुरुआती खर्च के लिए विश्वविद्यालय की ओर से 150 रुपये की सहायता देने की उम्मीद भी जताई गई थी. यही प्रस्ताव आगे चलकर डूसू के संस्थागत सफर की शुरुआती कड़ी बनादिल्ली विश्वविद्यालय की स्थापना 1922 में हुई थी, लेकिन छात्रों के लिए अलग प्रतिनिधि संस्था की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही थी. इसी उद्देश्य से 9 अप्रैल 1949 को दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (कैन्) की स्थापना की गई. इसका उद्घाटन भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने किया था. उस समय छात्रसंघ का मुख्य उद्देश्य छात्रों और विश्वविद्यालय प्रशासन के बीच संवाद स्थापित करना, छात्रों की समस्याओं को उठाना और विश्वविद्यालय में लोकतांत्रिक वातावरण को मजबूत करना था. शुरुआती वर्षों में छात्रसंघ का गठन प्रत्यक्ष चुनावों से नहीं होता था. प्रतिनिधियों के माध्यम से छात्र नेतृत्व का चयन किया जाता था.छात्रसंघ बनने के बाद उसके सामने आर्थिक आत्मनिर्भरता की समस्या खड़ी हो गई. 27 मार्च 1953 को विश्वविद्यालय की कार्यकारी समिति के सामने यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स यूनियन की ओर से आर्थिक सहायता की मांग रखी गई. उस समय विश्वविद्यालय ने कहा था कि छात्र संघ को खुद को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास करने चाहिए. रिकॉर्ड के मुताबिक, उस वर्ष संघ को पहले ही 500 रुपये की सहायता दी जा चुकी थी. इसके एक

रूठे कांग्रेसियों को मनाने में जुटे प्रदेश प्रभारी, कुछ लौटे तो कइयों को अभी भी कॉल का इंतजार, बड़ा सवाल बड़े चेहरे करेंगे घर वापसी ?

लखनऊ: विधानसभा चुनाव 2027 में अब कुछ ही महीनों का समय बचा है. ऐसे में सभी पार्टियां अपने संगठन और कार्यकर्ताओं की फौज को दुरुस्त करने में जुटी हैं. ताकि चुनावी मैदान में दमखम के साथ उतरा जा सके. इसी कवायद में यूपी कांग्रेस पार्टी के प्रदेश प्रभारी भी जुटे हुए हैं. इसके लिए पार्टी में पहले से ही संगठन सृजन अभियान चल रहा है. इसके साथ साथ अब रूठे नेताओं और कार्यकर्ताओं को भी मनाकर उनकी घर वापसी कराई जा रही है. नेता चाहे पद न मिलने से रूठे हों या फिर कद कम किए जाने से, अब ऐसे नेताओं और कार्यकर्ताओं को पार्टी मनाने में जुट गई है

कांग्रेस के यूपी प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने रविवार को प्रदेश भर के ऐसे रूठे नेताओं और कार्यकर्ताओं से मिलने का समय तय किया था. हालांकि, प्रदेश भर से काफी कम संख्या में ही रूठे हुए नेता और कार्यकर्ता पहुंचे, लेकिन कुछ कार्यकर्ताओं और नेताओं से जब प्रभारी ने मुलाकात की तो उन्होंने आश्वासन दिया कि पूरे मेहनत के साथ कांग्रेस पार्टी के कदम से कदम मिलाकर चलें. पार्टी को मजबूत करें. इसके बाद फिर से रूठे हुए नेता कार्यकर्ता पार्टी के साथ खुशी से जुड़ गए.रूठे हुए नेताओं और कार्यकर्ताओं को मनाने की प्रभारी की इस मुहिम में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय साथ नहीं दिखे. इस पर भी सवाल खड़े हुए. जब प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम से पूछा गया कि इस कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष को भी तो होना चाहिए था तो उन्होंने तर्क दिया कि अब चुनाव करीब है. सभी अपने–अपने कार्यक्षेत्र पर कार्य में जुटे हुए हैं. मैं यहां पर तू हूं तो प्रदेश अध्यक्ष कहीं और पार्टी के काम में लगे होंगे. अब अगर एक ही जगह पर सभी इकट्ठा हो जाएंगे तो फिर पार्टी का काम कैसे चलेगा?हालांकि प्रभारी भले ही ये तर्क दें लेकिन पिछले काफी दिनों से यह चर्चाएं तेज है कि यूपी प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय में बिल्कुल भी बन नहीं रही है. चर्चा यहां तक हुई कि प्रभारी हरहाल में प्रदेश अध्यक्ष को हटवाना चाहते हैं. इसको लेकर कई बार राहुल गांधी से मुलाकात भी की गई. रविवार को जब कांग्रेस मुख्यालय पर रूठों को मनाने के कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय नहीं आए तो इससे एक बार फिर उन चर्चाओं को बल मिल गया है कि इन दोनों नेताओं में आपसी तनातनी बरकरार है. हालांकि प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष दोनों ही इन सभी बातों को सिरे से खारिज करते हैं.

प्रभारी से मिलने के बाद बांदा के पूर्व शहर अध्यक्ष पुष्पेंद्र श्रीवास्तव ने फिर ज्वाइन की कांग्रेस. उन्होंने कहा कि मैं फिर से कांग्रेस पार्टी का सदस्य बन गया हूं, इसके पहले मैं कांग्रेस का बांदा शहर अध्यक्ष रह चुका हूं, विधानसभा चुनाव में, नगर पालिका चुनाव में और लोकसभा चुनाव मे मेरी भूमिका रही है. इसी को देखते हुए हमारी उत्तर प्रदेश की पूर्व प्रभारी प्रियंका गांधी ने मेरा इंटरव्यू लेकर शहर अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी थी.संवाद जारी रखने के लिए बनाए जा रहे सोशल मीडिया ग्रुप (चिवजव बतमकपजय म्ज्ट ठीतंज) प्रभारी का मेरे पास कॉल गया था कि जो भी पुराने कांग्रेसी किसी कारण से बैठे हैं और कांग्रेस उनके दिल में कहीं न कहीं जिंदा है, काम करना चाहते हैं तो हमारा आह्वान है कि वह आएं और प्रतिभा का प्रदर्शन करें. उन्हें फिर से जिम्मेदारी दी जाएगी. स्थानीय कारणों की वजह से मुझे शहर अध्यक्ष पद से हटाया गया था. मैं उस पर अब नहीं जाऊंगा. अब प्रभारी से मैं मिल चुका हूं, फिर से मेरी सदस्यता हो गई है. अब मैं रूठा नहीं हूं. मेरे मन में छात्र राजनीति से पहले भी कांग्रेस थी और अब भी मैं कांग्रेस में ही खुश रहूंगा.आगरा से कांग्रेस के यूपी प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम के बुलावे पर लखनऊ पहुंचे महेंद्र सिंह का कहना है कि आगरा के जिला अध्यक्ष की वजह से मैं नाराज था. मैंने हमेशा कांग्रेस पार्टी का साथ दिया है, लेकिन कुछ कारणों से मैं नाराज हो गया था, लेकिन आज मैं जब कांग्रेस मुख्यालय आया, प्रभारी के सामने

ईडी के पूर्व डिप्टी डायरेक्टर की सियासी एंट्री, अमृतपाल सिंह की पार्टी में होंगे शामिल

चंडीगढ़: पंजाब विधानसभा चुनाव से ठीक पहले राज्य की राजनीति सुर्खियों में है. खबर है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के पूर्व डिप्टी डायरेक्टर निरंजन सिंह खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह की पार्टी 'अकाली दल वारिस पंजाब दे' में शामिल होंगे.यह आज चंडीगढ़ में एक खास कार्यक्रम के दौरान पार्टी में आधिकारिक तौर पर शामिल होंगे. वरिष्ठ नेता मनप्रीत सिंह अयाली ने भी इसकी आधिकारिक तौर पर पुष्टि की है. ईडी के पूर्व डिप्टी डायरेक्टर के अमृतपाल सिंह की पार्टी में शामिल होने से पंजाब का राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदलने की उम्मीद है.

निरंजन सिंह का यह बड़ा राजनीतिक कदम टॉप नेताओं के साथ एक खास बैठक के बाद उठाया गया है. विधायक मनप्रीत सिंह अयाली और जेल में बंद सांसद अमृतपाल सिंह के पिता तरसेम सिंह ने जालंधर में निरंजन सिंह से उनके घर पर मुलाकात की थी.इस जरूरी बैठक और नेताओं के भरोसे के बाद ही पूर्व अधिकारी ने अकाली दल वारिस पंजाब दे के उत्तराधिकारी पंजाब की कमान संभालने का आखिरी फैसला लिया. निरंजन सिंह पंजाब के प्रशासनिक और इन्वेस्टिगेशन सर्कल में एक बहुत बड़ा और चर्चित नाम हैं.

कारी नौकरी से रिटायर हुए इस अधिकारी ने अपने कार्यकाल के दौरान कई हाई–प्रोफाइल ड्रग तस्करी के मामलों की जांच की. उन्होंने कुख्यात जगदीश भोला ड्रग रैकेट की बारीकी से जांच की, जिसमें करोड़ों रुपये शामिल थे. इस बड़े मामले की जांच के दौरान उनका सामना राज्य के कई प्रभावशाली लोगों से हुआ.

धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए निरंजन सिंह ने कई बड़े नेताओं को सजा दिलाई थी. उन्होंने इस केस के सिलसिले में पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया और सरवन सिंह फिल्लौर समेत कई बड़े नेताओं से कड़ी पूछताछ की थी. इस बीच उनकचर्चित नाम हैं.

कारी नौकरी से रिटायर हुए इस अधिकारी ने अपने कार्यकाल के दौरान कई हाई–प्रोफाइल ड्रग तस्करी के मामलों की जांच की. उन्होंने कुख्यात जगदीश भोला ड्रग रैकेट की बारीकी से जांच की, जिसमें करोड़ों रुपये शामिल थे. इस बड़े मामले की जांच के दौरान उनका सामना राज्य के कई प्रभावशाली लोगों से हुआ.

धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई

करते हुए निरंजन सिंह ने कई बड़े नेताओं को सजा दिलाई थी. उन्होंने इस केस के सिलसिले में पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया और सरवन सिंह फिल्लौर समेत कई बड़े नेताओं से कड़ी पूछताछ की थी. इस बीच उनका जालंधर से कोलकाता ट्रांसफर कर दिया गया था. हालांकि बाद में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने रद्द कर दिया था. रिटायरमेंट के बाद भी वह पंजाब में ड्रग्स के मुद्दे पर लगातार अपनी आवाज उठाते रहे हैं। जालंधर से कोलकाता ट्रांसफर कर दिया गया था. हालांकि बाद में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने रद्द कर दिया था. रिटायरमेंट के बाद भी वह पंजाब में ड्रग्स के मुद्दे पर लगातार अपनी आवाज उठाते रहे हैं.

हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड के बाद यूपी के पशुपालकों की उड़ी नींद, जानें कैसे करें लंपी वायरस से बचाव

मेरठ : हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड सहित यूपी में भी लम्पी वायरस (स्नउचल `पद क्पेमेंम) पशुओं को अपनी चपेट में ले रहा है. जिससे पशुपालक और विशेष रूप से गौ पालकों में दहशत का माहौल देखा जा रहा है.ऐसे में मेरठ में भी इसका प्रकोप बढ़ता जा रहा है. जिससे पशुपालक परेशान हैं. आज हम आपको इस खबर में बताएंगे आखिर कैसे अपने पशुओं को सुरक्षित कर सकते हैं और अगर कोई गौवंश किसी तरह से लंपी वायरस की चपेट में भी अगर आ जाता है, तो भी कैसे उसे बचाने के लिए क्या कुछ प्रयास किये जा सकते हैंहरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड के बाद यूपी के पशुपालकों की उड़ी नींद. (ईटीवी भारत)

देश के कई राज्यों में पशुओं में लम्पी स्किन डिजीज का प्रकोप तेजी से बढ़ता जा रहा है. ऐसे में पशुपालक परेशान हैं. देश के कई राज्यों में लम्पी वायरस फैला हुआ है.लंपी वायरस से पशुपालकों की उड़ी नींद. (ईटीवी भारत)

ऐसे में पशुपालन विभाग भी लगातार इस बीमारी की जद में आने वाले पशुओं को बचाने के लिए भाग दौड़ करने की बात करता है, हालांकि इसके लिए सरकार की तरफ से वैक्सीन का भी प्रबंध किया जाता है. लेकिन आमतौर पर गोवंश में इस बीमारी के लक्षण ज्यादा पाए जाते हैं, जो कि कई बार जानलेवा भी साबित होते हैं.लंपी बीमारी की वजह से पशु के अंदर खून की कमी हो जाती है और वह तड़प–तड़प कर मर जाता है. जिसके बाद ऐसे किसान पशुपालक चाहकर भी कुछ नहीं कर पाते हैं. जबकि बढ़ाते महंगाई के इस दौर में किसी के लिए भी पशु खरीदना अब आसान नहीं है. गाय–भैंसों की कीमत आसमान छू रही हैं. ऐसे में किसके लिए सबसे बड़ा नुकसान होता है, जब उसका पशु बीमार हो जाए, और उसे बचाए ना जा सके.मेरठ के मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी पवित्रजीत सिंह से ईटीवी भा

हरियाणा से फैली ये बीमारी, उत्तराखंड के रास्ते यूपी आईमेरठ के मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी पवित्र जीत सिंह ने बताया कि यह वायरस से फैलने वाली बीमारी है और पहले यह हरियाणा में आई थी और उसके बाद उत्तराखंड में आई और सहारनपुर से होते हुए अब इसका असर मेरठ में भी है.वह बताते हैं कि मेरठ को फायदा यह हुआ कि जैसे ही इसका प्रकोप बढ़ना शुरू हुआ था, तभी मेरठ में इसकी वैक्सीन को लेकर तैयारी शुरू हो गई थी और शासन की तरफ से समय से वैक्सीन लेकर वेक्सीन भी लगाई जा रही है.

श्वेता विजन
सच देखे | सही दिखाए

जीडब्ल्यूएमसी द्वारा की गई व्यवस्थाओं का कमिश्नर टी. वेंकन्ना ने वारंगल सेंट्रल डीसीपी धारा कविता के साथ मिलकर सुबह 6 बजे से ही जमीनी स्तर पर निरीक्षण किया।

वरंगल शहर से गोवर्धन उपाध्याय की रिपोर्ट 'गणेश विसर्जन व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने वाले कमिश्नर वेंकन्ना जीडब्ल्यूएमसी: 23 सितंबर:
आज होने वाले गणेश विसर्जन को शांतिपूर्ण और सुरक्षित रूप से आयोजित करने के लिए जीडब्ल्यूएमसी द्वारा की गई व्यवस्थाओं का कमिश्नर टी. वेंकन्ना ने वारंगल सेंट्रल डीसीपी धारा कविता के साथ मिलकर सुबह 6 बजे से ही जमीनी स्तर पर निरीक्षण किया।संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर परिकिकुंटा, कडिपिकोंडा आउटर रिंग रोड के पास, हसनपर्ती तालाब, भीमाराम तालाब, गोपालपुर अरेकसायिकुंटा, गुंडला सिंगारम आउटर रिंग रोड के पास का क्षेत्र आदि प्रमुख विसर्जन केंद्रों का दौरा कर, भक्तों को किसी भी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं पूरी तरह से उपलब्ध रखने का अधिकारियों को निर्देश दिया।
विसर्जन केंद्रों पर बैरिकेडिंग, लाइटिंग, स्वच्छता, पीने का पानी, चिकित्सा सुविधाएं, क्रेन, ट्रैफिक नियंत्रण आदि व्यवस्थाओं की निगरानी करते हुए, विसर्जन पूरा होने तक अधिकारियों को सतर्क रहने का कमिश्नर ने सुझाव दिया।इस निरीक्षण में नगर निगम के सुपरिंटेंडेंट इंजीनियर राजकुमार, पीएमएचओ डॉक्टर राजा रेड्डी, एमएचओ डॉक्टर राजेश, एसीपी प्रशांत, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर रवि कुमार, माधवी, महेंदर, संजय कुमार, पुलिस अधिकारी आदि शामिल हुए।

महबूबाबाद से डोर्नकल तक ट्रायल रन करने वाले दक्षिण मध्य रेलवे सिकंदराबाद डीआरएम गोपालकृष्ण घंटे में 140 किलोमीटर की रफ्तार से ट्रैक की

महबूबाबाद गोवर्धन उपाध्याय की रिपोर्ट महबूबाबाद जिले में पूरी हुई रेलवे की तीसरी लाइन पर स्पीड टेस्ट ट्रायल रन महबूबाबाद से डोर्नकल तक ट्रायल रन करने वाले दक्षिण मध्य रेलवे सिकंदराबाद डीआरएम गोपालकृष्ण घंटे में 140 किलोमीटर की रफ्तार से ट्रैक की क्षमता का निरीक्षण करने वाले रेलवे अधिकारी 140 किलोमीटर तक ट्रैक की क्षमता अच्छी होने की पहचान 140 किलोमीटर की रफ्तार पार करने के बाद रेड सिग्नल आने से ट्रायल रन रोक दिया गया तीसरी लाइन के साथ पहले 110 किलोमीटर की रफ्तार से चलने वाली ट्रेनें अब 140 किलोमीटर की रफ्तार से दौड़ेंगी तीसरी लाइन उपलब्ध होने से ट्रेनों की रफ्तार बढ़ेगी ट्रेनों की रफ्तार बढ़ने से यात्रा का समय घटेगा, रेलवे अधिकारियों ने बताया

वारंगल शहर के एलबी नगर में डॉ. सैयद वली उल्ला खादरी के निवास पर पहुंचे मंच के नेताओं ने उनका भव्य सम्मान किया।

वरंगल शहर से गोवर्धन उपाध्याय की रिपोर्ट तेलंगाना आंदोलनकारियों के संयुक्त मंच की सांत्वना यात्रा में डॉ. सैयद वली उल्ला खादरी का भव्य सम्मान तेलंगाना आंदोलनकारियों के संयुक्त मंच द्वारा शुरू की गई सांत्वना यात्रा के दूसरे दिन के अवसर पर वारंगल शहर के एलबी नगर में डॉ. सैयद वली उल्ला खादरी के निवास पर पहुंचे मंच के नेताओं ने उनका भव्य सम्मान किया।तेलंगाना राज्य प्राप्ति आंदोलन में छात्र नेता के रूप में, काकतीय विश्वविद्यालय आंदोलन के नेता के रूप में, छात्र–युवा समस्याओं पर लगातार लड़ने वाले नेता के रूप में, समाज सेवा में विशिष्ट सेवाएं प्रदान करने के लिए डॉ. खादरी की सराहना की।
इस अवसर पर तेलंगाना आंदोलनकारियों के संयुक्त मंच के चेयरमैन जी. रविकुमार ने कहा कि डॉ. सैयद वली उल्ला खादरी तेलंगाना के साथ–साथ पूरे देश में पहचान रखने वाले नेता हैं। वारंगल एलबी नगर के रहने वाले उन्होंने तेलंगाना आंदोलन में बहुत अहम भूमिका निभाई, आंदोलन के दौरान उन पर सौ से ज्यादा पुलिस केस दर्ज हुए, तेलंगाना के लिए जेल की सजा भी भुगती।इसके अलावा, वारंगल छात्र आंदोलन के इतिहास में उच्चतम स्तर तक पहुंच कर एआईएसएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी निभाना वारंगल के लोगों के लिए गर्व की बात है। छात्रों, युवाओं और समाज के उत्थान के लिए उनके द्वारा की गई सेवाएं चिरस्मरणीय हैं। सम्मान पर प्रतिक्रिया देते हुए डॉ. सैयद वली उल्ला खादरी ने तेलंगाना आंदोलनकारियों के संयुक्त मंच के नेतृत्व को दिल से धन्यवाद दिया। कहा कि इस सम्मान को तेलंगाना आंदोलन में भाग लेने वाले हर आंदोलनकारी को समर्पित करता हूं।साथ ही तेलंगाना राज्य की प्राप्ति के लिए लड़े आंदोलनकारियों को चुनाव से पहले दिए गए वादों को राज्य सरकार तुरंत लागू करे, मांग की। तेलंगाना आंदोलनकारियों के कल्याण, सम्मान भत्ता, पहचान, अन्य कल्याण योजनाओं को बिना देरी किए लागू करने की सरकार से अपील की।इस कार्यक्रम में तेलंगाना आंदोलनकारियों के संयुक्त मंच के नेता, तेलंगाना आंदोलनकारी, युवा नेता, स्थानीय जनप्रतिनिधि और एलबी नगर क्षेत्र के लोग शामिल हुए। जय तेलंगाना नारों के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

विश्वसनीय सूचना के आधार पर टास्क फोर्स टीम ने सट्टा गेमिंग के बारे में छापा मारागिरफ्तारी – 01जब्ती:1.नकद राशि 5,2506– रुपये 2. सट्टा गेम पर्चियां

हनमाकोंडा शहर गोवर्धन उपाध्याय की रिपोर्ट की गिरफ्तारी – 01जब्ती:1.नकद राशि 5,2506– रुपये 2. सट्टा गेम पर्चियां विश्वसनीय सूचना के आधार पर टास्क फोर्स टीम ने सट्टा गेमिंग के बारे में छापा मारा और मिल्स कॉलोनी थाने की सीमा में आने वाले प्रताप नगर में सट्टा गेमिंग खेलते हुए 01 व्यक्ति को पकड़ा और उसके कब्जे से नकद 5,2506– रुपये और सट्टा गेम पर्चियां जब्त कीं। छापेमारी पूरी होने के बाद जब्त संपत्ति के साथ पकड़े गए व्यक्ति को आगे की कार्रवाई के लिए मिल्स कॉलोनी पुलिस को सौंप दिया गया।पकड़े गए आरोपी का विवरण:1. गदला श्रीलता पति एबेल, उम्र: 45 साल, जाति: मादिगा, पेशा: गृहिणी, निवासी मकान नं. 11–7–129, प्रताप नगर, क्रिश्चियन कॉलोनी, वारंगल।

विनायक विसर्जन शांतिपूर्ण ढंग से मनाएं: कलेक्टर

मंचेरियल, 23 सितंबर(बपअपब छंजपवद)विनायक विसर्जन कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने अधिकारियों को दिए। उन्होंने दंडेपल्ली मंडल के गूडेम में विसर्जन स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा और एहतियाती कदम उठाने को कहा।
इसके बाद कलेक्टर ने स्कूलों, छात्रावास, केजीबीवी, मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

ईसीआई के सभी फैसले सर्वसम्मति से

नई दिल्ली, 23 सितंबर:(बपअपब छंजपवद)भारत निर्वाचन आयोग (म्ब्) ने स्पष्ट किया है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (ैप्त्) सहित आयोग के सभी फैसले पूर्ण आयोग के सर्वसम्मत निर्णयों का परिणाम हैं।
आयोग ने कहा कि ईसीआई संविधान के अनुच्छेद 324, वैधानिक नियमों और स्थापित प्रक्रियाओं के तहत कार्य करता है। आयोग द्वारा जारी सभी आधिकारिक आदेश, निर्णय और प्रशासनिक निर्देश कानूनी प्रक्रिया के अनुसार ही जारी किए जाते हैं।
ईसीआई ने बताया कि सदस्यों द्वारा दिए गए सुझाव और टिप्पणियां चुनावी प्रक्रिया को और बेहतर बनाने के लिए सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा हैं। पिछले एक वर्ष में आयोग ने करीब 40 नई पहलें और कई चुनावी सुधार किए हैं।
आयोग ने कहा कि बिहार, केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी, असम और पश्चिम बंगाल में चुनाव तथा चुनाव संबंधी कार्य सफलतापूर्वक संपन्न कराए गए। म्ब्छमज जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म कड़े डेटा सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत संच ालित होते हैं। आयोग ने लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा और पारदर्शिता के साथ काम करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

विसर्जन के लिए कड़ा बंदोबस्त: डीआईजी

आदिलाबाद, 23 सितंबर गणपति विसर्जन उत्सव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए कड़ा पुलिस बंदोबस्त करने के निर्देश बासर जोन के डीआईजी आर. भास्करन आईपीएस ने दिए। उन्होंने पेनुगंगा विसर्जन स्थल, कमांड कंट्रोल सेंटर और वन टाउन पुलिस स्टेशन का निरीक्षण कर सुरक्षा, ट्रैफिक नियंत्रण, सीसीटीवी और ड्रोन निगरानी पर विशेष ध्यान देने को कहा। रिम्स घटना में मृत बच्चों के परिवारों के प्रति उन्होंने गहरी संवेदना व्यक्त की।

श्वेता विज़न
सच देखे | सही दिखाए

लखनऊ–कानपुर एक्सप्रेस वे की राह और होगी आसानय जाजमऊ पुल से जुड़ेगा, छभ्।ℙ ने किया कंपनी का चयन

कानपुर : प्रदेश सरकार की ओर से 13 जुलाई को कानपुर–लखनऊ एक्सप्रेस वे का तोहफा दिया गया था. जिसके बाद अब जाजमऊ पुल पर लगने वाले ट्रैफिक जाम से राहत दिलाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है. पुल से एक एलीवेटेड सड़क बनाते हुए उसे सीधे कानपुर–लखनऊ एक्सप्रेस वे से जोड़ने की तैयारी है.कानपुर–लखनऊ एक्सप्रेस वे शुरू होने के करीब 70 दिनों बाद भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अफसरों ने अब एक कंपनी का चयन कर दिया है, जो उस पूरे रूट का सर्वे करेगी. करीब दो माह तक फिजिबिलिटी टेस्ट समेत अन्य परीक्षण करने के बाद कंपनी की ओर से पूरी डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट एनएचएआई अफसरों को सौंपी जाएगी.

रोजाना पुल से गुजरते हैं 50 से 80 हजार वाहन सवार : एनएचएआई अफसरों की रिपोर्ट के मुताबिक, रोजाना कानपुर में जाजमऊ गंगा पुल से 50 से 80 हजार वाहनों की आवाजाही होती है. जैसे ही कोई वाहन सवार जाजमऊ स्थित गंगा पुल पर पहुंचता है तो यहां पर वाहनों की अधिकता के चलते वाहन की गति धीमी करनी पड़ जाती है. इसके बाद सीधे आगे चलने पर तीन से चार किलोमीटर बाद कानपुर–लखनऊ एक्सप्रेस वे का कट आता है. लेकिन, यहां बहुत अधिक जाम जैसी स्थिति रहती है. यही स्थिति और नजारा पुल के दूसरी ओर भी दिखता है, जब वाहन सवार कानपुर–लखनऊ एक्सप्रेस वे से नीचे उतरकर जाजमऊ गंगा पुल की ओर पहुंचते हैं और फिर शहर के अंदर अपने गंतव्य तक जाते हैं.एनएचएआई निदेशक पंकज यादव ने बताया कि एक कंपनी का चयन किया गया है. कंपनी के प्रतिनिधियों को बताया गया कि वह पूरे रूट की ट्रैफिक स्टडी करेंगे. तकनीकी तौर पर फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार करें. फिर जो निष्कर्ष सामने आएगा उसके आधार पर फैसला किया जाएगा कि किस तरह एलीवेटेड रोड को बनाना है. उसकी लंबाई, चौड़ाई का अध्ययन कराएंगे. पुल से एक्सप्रेस वे तक जाम न लगे, इस बात का विशेष तौर पर ध्यान रखा जाएगा. उन्होंने कहा कि इस काम के लिए मंत्रालय से निर्देश मिल गए हैं. जल्द से जल्द डीपीआर तैयार करवाएंगे.

एनएचएआई अफसरों का कहना था कि मौजूदा समय में कानपुर से लखनऊ जाने के लिए केवल जाजमऊ गंगा पुल का ही विकल्प है. गंगा बैराज के रास्ते सरैया क्रासिंग होते हुए लखनऊ जाने में वाहन सवारों को कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है. जबकि पुल पर बहुत अधिक लोड होने के चलते भी चौपहिया वाहन सवार घंटों जाम में फंसते हैं. ऐसे में अगर जाजमऊ गंगा पुल से कानपुर लखनऊ एक्सप्रेस वे को सीधे एलीवेटेड सड़क से जोड़ दिया जाएगा तो लाखों राहगीर राहत की सांस लेंगे.भाजपा सांसद रमेश अवस्थी ने बताया कि 13 जुलाई को कानपुर–लखनऊ एक्सप्रेस वे शुरू होने के बाद जाजमऊ गंगा पुल से कानपुर–लखनऊ एक्सप्रेस वे को कनेक्ट करने के लिए उन्होंने 12 अगस्त को ही केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री को पत्र भेज दिया था. जानकारी मिली है कि एनएचएआई ने इसके लिए कंपनी तय कर दी है जो अपनी ओर से डीपीआर तैयार करेगी.

हापुड़ में एंटी करप्शन टीम का एक्शनः 50 हजार की रिश्वत लेते कानूनगो विजेंद्र कुमार गिरफ्तार

हापुड़ः हापुड जिले की धौलाना तहसील में बुधवार को एंटी करप्शन टीम ने रिश्वतखोरी के आरोप में कानूनगो विजेंद्र कुमार को 50 हजार रुपये लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया. शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि जमीन के विवाद में कार्रवाई रोकने के बदले डेढ लाख रुपये मांगे गए थे. बुधवार को रिश्वत की पहली किस्त देने के लिए शिकायतकर्ता को तहसील के सामने स्थित क्लीनिक पर बुलाया गया था. जैसे ही 50 हजार रुपये दिए गए, पहले से निगरानी कर रही मेरठ की एंटी करप्शन टीम ने कानूनगो को धर दबोचा.जमीन पैमाइश के नाम पर मांगी थी डेढ लाख की घूसः कार्रवाई के बाद तहसील परिसर में हड़कंप मच गया और कई लेखपाल व कर्मचारी थाने पहुंच गए. इस दौरान पुलिस और कर्मचारियों के बीच तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली. ग्राम शौलाना निवासी डॉक्टर कृष्णपाल सिंह के मुताबिक ग्राम समाना में उनकी करीब ढाई बीघा कृषि भूमि है. भूमि की पैमाइश को लेकर आसपास के किसानों ने जिलाधिकारी कोर्ट में धारा 24 के तहत केस दर्ज कराया था.एंटी करप्शन टीम ने बिछाया जाल, 50 हजार लेते पकड़ाः रविवार को तहसील की टीम ने मौके पर पहुंचकर जमीन की पैमाइश की थी और उनकी जमीन पर दूसरे का कब्जा होने की बात कही गई. आरोप है कि कानूनगो ने जमीन से छेड़छाड़ न करने के बदले डेढ लाख रुपये की मांग की थी. पीड़ित ने इसकी शिकायत एंटी करप्शन विभाग की हेल्पलाइन पर दर्ज कराई. शिकायत की जांच के बाद टीम ने आरोपी को रंगे हाथ पकड़ने का पूरा प्लान बनाया.22 सदस्यों की टीम ने लिया एक्शन, थाने पर हुआ हंगामाः बुधवार को क्लीनिक पर पहली किस्त देने के लिए बुलाया गया था, जहाँ 22 सदस्यों की ट्रैप टीम ने दबिश देकर आरोपी को पकड़ लिया. कार्रवाई के दौरान सीसीटीवी फुटेज और ऑडियो रिकॉर्डिंग जैसे अहम साक्ष्य जुटाए गए हैं. गिरफ्तारी की खबर फैलते ही पटवारी और अन्य कर्मचारी थाने पहुंचकर कानूनगो को छुड़ाने की मांग करने लगे. हालांकि एंटी करप्शन टीम सभी दबावा. को दरकिनार कर आरोपी को अपने साथ ले गई.आरोपी कानूनगो का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड आया सामनेः जांच में सामने आया है कि आरा. पी कानूनगो विजेंद्र कुमार के खिलाफ पहले से भी मुकदमा दर्ज है. मुरादाबाद में तैनाती के दौरान भी उनके खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज हुआ था जो अभी पेंडिंग है. उस मामले में कोर्ट से गैर–जमानती

आयुर्वेद चिकित्सा को गांवों तक पहुंच. ाना जरूरीः मंत्री सीतक्का

मुलुगु, 23 सितंबरः) आयुर्वेद चिकित्सा सेवाओं को दूरदराज के गांवों के लोगों तक पहुंचाने के लिए व्यापक स्तर पर चिकित्सा शिविर आयोजित करने के निर्देश मंत्री दनसरी अनसूया सीतक्का ने आयुष अधिकारियों को दिए।11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर बुधवार को मुलुगु सरकारी जनरल अस्पताल में आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का मंत्री ने कलेक्टर बोरखड़े हेमंत सहदेवराव के साथ उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम और आगामी बीमारियों को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाई जाए। एटूरनागारम आयुर्वेद अस्पताल के विकास के लिए भवन और चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराने के कदम उठाए जा रहे हैं। कार्यक्रम में जिला एसपी सुधीर रामनाथ केकन, जनप्रतिनिधि और अधिकारी शामिल हुए।

ऑक्सफोर्ड हाई स्कूल में शी टीम एसआई रावेल्ला रामाराव जी का जागरूकता सत्र अपराध, अत्याचार बढ़ रहे आज के समय में अपराधों पर काबू पाने में सभी को भागीदार बनना चाहिए

हनमाकोंडा शहर गोवर्धन उपाध्याय की रिपोर्ट महिलाओं की सुरक्षा और टी– सेफ ऐप के बारे में सुबेदारी के ऑक्सफोर्ड हाई स्कूल में शी टीम एसआई रावेल्ला रामाराव जी का जागरूकता सत्र अपराध, अत्याचार बढ़ रहे आज के समय में अपराधों पर काबू पाने में सभी को भागीदार बनना चाहिए और अपनी जिम्मेदारियां निभानी चाहिए, सावधानी बरतने से महिलाओं पर होने वाले अपराधों पर काबू पाया जा सकता है, वारंगल शी टीम एसआई रामाराव जी ने कहा। हनमकोंडा के ऑक्सफोर्ड हाई स्कूल में लगभग 150 छात्राओं के साथ साइबर अपराध, महिलाओं पर होने वाले अत्याचार, महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों के प्रति जागरूक रहना चाहिए, कहा।इस अवसर पर वारंगल शी टीम एसआई रामाराव जी ने कहा कि लड़कियों को फेसबुक, इंस्टाग्राम, स्नैपचैट, टेलीग्राम जैसे सोशल मीडिया पर निजी फोटो, जानकारी साझा करने में सावधानी बरतनी चाहिए, साइबर अपराधों पर जागरूक रहना चाहिए और महिलाओं को अकेले अनजान जगहों पर यात्रा करनी पड़े तो सभी को टी– सेफ ऐप का इस्तेमाल करना चाहिए.टी– सेफ। ऐप पर जागरूक रहना चाहिए, कामकाजी महिलाओं को अपने काम की जगह पर अभद्र व्यवहार करने वालों, शरारती तत्वों से सावधान रहना चाहिए, अनजान लोगों के साथ अपनी निजी बातें साझा नहीं करनी चाहिए।अगर कोई महिलाओं के साथ अनुचित, अभद्र व्यवहार करता है तो हिम्मत से तुरंत शी टीम पुलिस को सूचना देनी चाहिए। साइबर अपराध होने पर टोल फ्री 1930 पर शिकायत करनी चाहिए, हमारे शी टीम मोबाइल नंबर्स सीपी साहब का व्हाट्सएप नंबर 8712685257, सीआई व्हाट्सएप नंबर 8712685142, एसआई व्हाट्सएप नंबर 8712685270 पर शिकायत करने वालों की जानक. री बहुत गोपनीय रखकर अपराधियों को काउंस. लिंग देकर उन पर कानूनी कार्रवाई करेंगे।इस कार्यक्रम में ऑक्सफोर्ड हाई स्कूल प्रिंसिपल रमना और स्कूल इंचार्ज संगीता अध्यापक और शी टीम एसआई साहब आदि शामिल हुए।

हनमकोंडा जिला कलेक्टर चाहत बाजपेयी हनमकोंडा, वारंगल सीमा के कई विसर्जन स्थलों पर इंतजामों का निरीक्षण किया कलेक्टर ने गणपति मूर्तियों के विसर्जन कार्यक्रम को ांतिपूर्ण तरीके से आयोजित

वरंगल शहर से गोवर्धन उपाध्याय की रिपोर्टर हनमकोंडा गणपति विसर्जन के लिए पुख्ता इंतजाम विभिन्न विभागों के समन्वय से विसर्जन कार्यक्रम का सुचारू आयोजन हनमकोंडा जिला कलेक्टर चाहत बाजपेयी हनमकोंडा, वारंगल सीमा के कई विसर्जन स्थलों पर इंतजामों का निरीक्षण किया कलेक्टर ने गणपति मूर्तियों के विसर्जन कार्यक्रम को शांतिपूर्ण तरीके से आयोजित करने के लिए जिला प्रशासन ने सभी इंतजाम पूरे कर लिए हैं. हनमकोंडा जिला कलेक्टर, ग्रेटर वारंगल नगर निगम की विशेष अधिकारी चाहत बाजपेयी ने कहा।

बुधवार को हनमकोंडा के बंधम तालाब, सिद्धेश्वर गुंडम में गणपति मूर्ति विसर्जन की व्यवस्थाओं का जमीनी स्तर पर जिला कलेक्टर ने निरीक्षण किया।इस दौरान तालाबों में क्रेन की मदद से मूर्तियों का विसर्जन हो रहा था, जिसका जिला कलेक्टर ने अधिकारियों के साथ मिलकर पर्यवेक्षण किया।इस अवसर पर जिला कलेक्टर चाहत बाजपेयी ने कहा विनायक मूर्तियों के विसर्जन कार्यक्रम को बिना किसी परेशानी के सुचारू रूप से आयोजित करने के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों के समन्वय से पुख्ता इंतजाम पूरे किए गए हैं। विसर्जन के लिए आने वाली मूर्तियों की संख्या, पानी की उपलब्धता, मूर्तियों की ऊंचाई आदि विषयों को ध्यान में रखकर विसर्जन केंद्रों पर इंतजाम तैयार किए गए हैं।जलस्तर को देखते हुए बंधम तालाब, चिन्ना वडेपल्ली तालाब, उर्सु तालाबों की ओर मूर्तियों को मोड़ने का इंतजाम किया गया है। उसी तरह न्यू शायमपेट के कोटा तालाब में मूर्तियों के विसर्जन के इंतजाम किए गए हैं। विसर्जन के इंतजामों में ग्रेटर वारंगल नगर निगम, माइनिंग, रेवेन्यू, इरिगेशन, फिशरीज, पुलिस आदि विभाग समन्वय के साथ काम कर रहे हैं। गणपति मूर्तियों के विसर्जन को देखते हुए खासतौर पर ट्रैफिक नियंत्रण के लिए पुलिस विभाग विशेष योजना के साथ कदम उठा रहा है। जितना जल्दी हो सके मूर्ति विसर्जन कार्यक्रम पूरा कर लेना चाहिए, गणेश मंडपों के आयोजकों, भक्तों को सुझाव दिया। एक ही समय पर बड़ी संख्या में आने से भीड़, इंतजार का समय बढ़ने की संभावना होने से लोगों को पहले ही विसर्जन कार्यक्रम शुरू कर अधिकारियों को सहयोग करना चाहिए। विसर्जन केंद्रों पर बिजली के बल्बों की व्यवस्था, स्वच्छता प्रबंधन, आवागमन के इंतजाम, क्रेन, बैरिकेडिंग आदि सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं। विसर्जन कार्यक्रम की निगरानी के लिए अधिकारियों, कर्मचारियों को नियुक्त किया गया है। विसर्जन कार्यक्रम शांतिपूर्ण, सुचारू रूप से चले, इस तरह के कदम उठाए गए हैं, सहयोग करने की कलेक्टर ने अपील की। उसी तरह ग्रामीण क्षेत्रों में भी कई जगह इंतजाम पूरे किए गए हैं।

श्वेता विज़न
सच देखे | सही दिखाए

एशियन गेम्स 2026: क्रिकेटर बनने का था सपना, लेकिन सॉफ्ट टेनिस में मेडल जीतकर रच दिया इतिहास

भारत के जय मीणा ने एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया है. उन्हें पुरुषों की एकल सॉफ्ट टेनिस स्पर्धा के सेमीफाइनल में जापान के तुकोया कुरोसाका से हार का सामना करना पड़ा, जिसकी वजह से उन्होंने ब्रॉन्ज मेडल पर संतोष करना पड़ा. इसके साथ 26 वर्षीय जय मीणा एशियन गेम्स में सॉफ्ट टेनिस में मेडल जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए.तीसरे एशियन गेम्स में मिली सफलतामध्य प्रदेश के देवास के रहने वाले मीणा को ये ऐतिहासिक सफलता अपने तीसरे एशियन गेम्स में मिली है. इससे पहले 2018 और 2022 के एशियाई खेलों में भी भाग लिया था लेकिन तब वह पदक दौर तक पहुंचने में नाकाम रहे थे.

जय मीणा ने सॉफ्ट टेनिस मुकाबले में भारत को दिलाया पहला मेडल

जय मीणा ने सॉफ्ट टेनिस मुकाबले में भारत को दिलाया पहला मेडल (५।छे)

पीएम मोदी ने दी बधाईप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जय मीणा की इस एतिहासिक सफलता पर बधाई दी. पीएम ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'भारतीय सॉफ्ट टेनिस के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि. पुरुषों के व्यक्तिगत इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीतने और सॉफ्ट टेनिस में भारत का पहला एशियन गेम्स मेडल विजेता बनने पर जय मीणा को बधाई. उनकी यह उपलब्धि भारत में इस खेल के लिए एक यादगार नया अध्याय है. उम्मीद है कि यह मेडल कई और युवाओं को सॉफ्ट टेनिस अपनाने और उसमें बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा. उनके आगे के सफर के लिए शुभकामनाएं.'क्रिकेटर बनने का था सपना

सॉफ्ट टेनिस में मीणा का सफर लगभग संयोग से शुरू हुआ. उन्हें क्रिकेट में ज्यादा दिलचस्पी थी और शुरू में वह क्रिकेटर बनना चाहते थे. लेकिन जब वो देवास के पायनियर पब्लिक स्कूल में शामिल हुए. जहां एक सॉफ्ट टेनिस कोर्ट था. मीणा को पहले सॉफ्ट टेनिस खिलाड़ियों को देखने की उत्सुकता हुई और फिर वो बॉल बॉय के तौर पर कोर्ट में दाखिल हुए. धीरे–धीरे, उन्होंने खुद यह खेल खेलना शुरू किया और स्कूल व जिला स्तर की प्रतियोगिताओं से आगे बढ़कर राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे.जय मीणा ने सॉफ्ट टेनिस में मेडल जीतकर रचा इतिहासजय मीणा ने सॉफ्ट टेनिस में मेडल जीतकर रचा इतिहास (५।छे)

सॉफ्ट टेनिस में मीणा का प्रदर्शन14 साल की उम्र में ही मीणा सॉफ्ट टेनिस के गढ़ जापान में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करना शुरू किया. मीणा ने 2022 में गुजरात में हुए 36वें राष्ट्रीय खेलों में पुरुषों के सिंगल्स में गोल्ड मेडल जीतकर भारत के प्रमुख सॉफ्ट टेनिस खिलाड़ियों में अपनी

आम जनता को बड़ा झटका! अक्टूबर और दिसंबर में फिर बढ़ सकती है आपके लोन की म्डप् रिपोर्ट

देश में होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन की मासिक किस्त (म्डप्) चुकाने वाले करोड़ों लोगों के लिए आने वाले दिन काफी मुश्किल भरे साबित हो सकते हैं. भारतीय स्टेट बैंक की शोध इकाई यानी एसबीआई रिसर्च ने अपनी ताजा रिपोर्ट में एक बड़ा दावा किया है. रिपोर्ट के मुताबिक, खुदरा महंगाई दर में होने वाली संभावित बढ़ोतरी और चौतरफा बढ़ते दबाव को रोकने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (त्ठप्) आगामी अक्टूबर और दिसंबर की मौद्रिक नीति समीक्षा बैठकों में ब्याज दरों में 25–25 बेसिस पॉइंट (कुल 0.50:) का इजाफा कर सकता है.क्यों बढ़ेगी ब्याज दरें और क्या है वजह?

एसबीआई रिसर्च की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, इस नीतिगत बदलाव के पीछे मुख्य रूप से दो बड़े कारण काम कर रहे हैं

खुदरा महंगाई दर का 6.5: के पार जाना: देश में खुदरा महंगाई दर अगस्त में बढ़कर 4.82 फीसदी पर पहुंच गई है, जो जुलाई में 4.45 फीसदी थी. ग्रामीण इलाकों में यह दर और भी अधिक 5.23 फीसदी रही है. एसबीआई रिसर्च का अनुमान है कि आने वाले महीनों में यह महंगाई दर 6.5 फीसदी के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार कर जाएगी. यह सितंबर में 5.88 फीसदी से बढ़कर अक्टूबर में 6.70 फीसदी तक पहुंच सकती है, जिसके बाद वर्ष 2027 की शुरुआत में ही यह 6 फीसदी से नीचे आ पाएगी.

कच्चे तेल की कीमतें और आयातित महंगाई: पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं. भारतीय क्रूड बास्केट की कीमत जुलाई के 82.04 डॉलर से बढ़कर सितंबर में 109.76 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई है. इसके चलते आयातित महंगाई पहले ही 7.75 फीसदी की ऊंची दर पर चल रही है, जो घरेलू बाजार में चीजों की कीमतें बढ़ा रही हैहंगाई का सामान्यीकरण और बढ़ता दबाव

रिपोर्ट में सबसे बड़ी चिंता इस बात को लेकर जताई गई है कि महंगाई अब केवल चुनिंदा वस्तुओं तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका सामान्यीकरण (ळमदमतंसपेंजपवद) शुरू हो चुका है. एसबीआई रिसर्च के आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी 2026 में खुदरा महंगाई सूचकांक में योगदान देने वाली वस्तुओं की संख्या जो

एशियन गेम्स 2026: तालिबान की डर से छोड़ा देश, अफगान महिला साइक्लिस्ट ने सिल्वर मेडल जीतकर रचा इतिहास

तालिबान की डर से अपना देश छोड़ने वाली साइक्लिस्ट फरीबा हाशमी ने एशियन गेम्स 2026 में एक प्रेरणादायक कहानी लिखी है. उन्होंने बुधवार को महिलाओं की व्यक्तिगत रोड रेस में सिल्वर मेडल जीतकर इतिहास रच दिया. वो 2002 के बाद एशियन गेम्स में मेडल जीतने वाली पहली अफगानिस्तान की महिला खिलाड़ी बन गई.न्यूज एजेंसी ।थ्ढ के अनुसार, फरीबा ने कहा, 'मैं अभी अपनी भावनाओं को बयां नहीं कर सकती. उन्होंने आगे कहा, 'मेरा जन्म ऐसे देश में हुआ था जहां सपने देखने वाली महिलाओं पर हमले होते हैं, और मुझे बहुत खुशी है कि मैंने इसके खिलाफ लड़ाई लड़ी है. मुझे उम्मीद है कि अगली पीढ़ी यहां आएगी और बिना किसी डर के अपने देश का प्रतिनिधित्व करेगी.'फगान महिला साइक्लिस्ट फरीबा हाशमी

अफगान महिला साइक्लिस्ट फरीबा हाशमी (।थ्ढ)फरीबा इटली क्यों चली गईबता दें कि 23 वर्षीय फरीबा पांच साल पहले अपना देश छोड़कर इटली में बस गई हैं. 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद वह अफगानिस्तान से भाग गई थी. क्योंकि तालिबान सरकार ने अफगानिस्तान में महिलाओं की शिक्षा और खेल सहित अन्य क्षेत्रों पर रोक लगा दी हैइसेढल से अफगान महिलाओं को प्रेरणा मिलेगी

फरीबा को उम्मीद है कि उनकी जीत से कई अन्य अफगान महिलाओं को प्रेरणा मिलेगी. हाशमी ने कहा, 'उन्होंने हमारी आजादी छीन ली, उन्होंने हमसे सब कुछ छीन लिया. यह सिल्वर मेडल अफगान महिलाओं के साहस को दिखा सकता है, और मैं सच में बहुत खुश हूं. मैं अकेली नहीं हूं, मुझे पता है कि मेरे पीछे कई देशों की लाखों महिलाओं का भी यही सपना है और ये मेरे साथ खड़ी हैं.'

15 साल की उम्र से साइकिलिंग शुरू फरीबा ने 15 साल की उम्र में अपनी बहन युल्डुज के नक्शेकदम पर चलते हुए साइकिलिंग शुरू की, जो खुद भी एक इंटरनेशनल साइक्लिस्ट हैं. दोनों बहनों में से किसी ने भी पहले कभी बाइक नहीं चलाई थी और 2017 में अपनी पहली रेस में भाग लेने से पहले वे पड़ोसियों से साइकिल उधार लेकर घंटों तक चलाती थीं.

फरीबा हाशमी अपनी बहन युल्डुज हाशमी के साथ

फरीबा हाशमी अपनी बहन युल्डुज हाशमी के साथ (।थ्ढ)

फरीबा ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को बताया, 'किसी ने कभी नहीं सोचा था कि अफगानिस्तान के फरयाब में महिलाएं साइकिल चलाएंगी. हमें लगा था कि यह छोटी बात होगी, लेकिन इससे काफी हलचल मच गई. मैं हमेशा ट्रेन तक जाने के लिए पुरुषों जैसे कपउन्होंने कहा, 'मैं कभी हार नहीं मानना च्चाहती और उम्मीद है कि हम लॉस एंजिल्स ओलंपिक में फिर से देख पाएंगे.' फरीबा ने ये भी कहा कि मैं यहां बिना किसी मैकेनिक और बिना किसी तैयारी के आई थी. हम नेशनल फेडरेशन से एक व्यक्ति को साथ लाए थे, और वह सिर्फ कार चला रहा था. हम खुद ही बाइक ठीक कर रहे थे. मैं खुद ही अपनी मैकेनिक थी. मैं खुद ही बाइक धो रही थी.'अफगानिस्तान तीन मेडल जीत चुका है

एशियन गेम्स में अफगानिस्तान ने अब तक 3 मेडल अपने नाम कर चुका है. जिसमें दो ब्रॉन्ज और एक सिल्वर मेडल है. फरीबा हाशमी ने महिला रोड रेस में सिल्वर जीता है. जबकि बाकी दो मेडल वुशु में पुरुषों को मिले हैं. इस तीन मेडल के साथ अफगानिस्तान मेडल टैली में 25वें

पंजाब: त्योहारों से पहले सरकारी कर्मचारियों को बंपर तोहफा, क। में सीधे 8: की भारी बढ़ोतरी

क: पंजाब की भगवंत मान सरकार ने राज्य के करीब आठ लाख सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को त्योहारों से ठीक पहले एक बड़ा तोहफा दिया है. सरकार ने महंगाई भत्ते (क।) में 8 फीसदी की बढ़ोतरी करने का एक बड़ा और ऐतिहासिक फैसला लिया है. मुख्यमंत्री भगवंत मान और कर्मचारी संगठनों के बीच हुई एक उच्च स्तरीय बैठक के बाद इस फैसले पर मुहर लगी, जिससे पिछले कई हफ्तों से चला आ रहा गतिरोध और राज्यव्यापी आंदोलन अब पूरी तरह समाप्त हो गया है.दो किस्तों में मिलेगा लाभ, अक्टूबर से बढ़ेगी सैलरीकैबिनेट से मिली जानकारी के मुताबिक, इस 8: की बढ़ोतरी के बाद राज्य के कर्मचारियों का कुल महंगाई भत्ता अब 42: से बढ़कर 50: हो गया है. मुख्यमंत्री ने साफ किया है कि इस बढ़े हुए भत्ते को 4–4 प्रतिशत की दो किस्तों में जारी किया जाएगा. यह नई दरें सितंबर 2026 के वेतन से ही प्रभावी मान ली गई हैं, जिसका सीधा मतलब यह है कि 1 अक्टूबर 2026 को कर्मचारियों के खातों में जो सैलरी आएगी, वह भारी बढ़ोतरी के साथ क्रेडिट होगी.

सरकारी खजाने पर ₹250 करोड़ का अतिरिक्त बोझ

इस बड़े वित्तीय फैसले से जहां राज्य के लाखों परिवारों को त्योहारों के सीजन में बड़ी आर्थिक राहत मिलेगी, वहीं पंजाब के सरकारी खजाने पर हर महीने करीब 250 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय बोझ बढ़ेगा. हालांकि, सरकार का कहना है कि वे इस खर्च के लिए पूरी तरह तैयार हैं और कर्मचारियों की गरिमा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है.वाद से सुलझा विवाद: महिला कर्मचारियों को भी बड़ी राहत लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे कर्मचारी यूनियनों के साथ मुख्यमंत्री भगवंत मान ने खुद बातचीत की कमान संभाली. उन्होंने टकराव का रास्ता छोड़कर संवाद का जरिया चुना. इस बैठक में न सिर्फ डीए बढ़ाने पर सहमति बनी, बल्कि मुख्यमंत्री ने भविष्य में किसी भी विवाद से बचने के लिए कर्मचारी प्रतिनिधियों के साथ हर महीने अनिवार्य रूप से बैठक करने का भी निर्देश दिया है.इसके साथ ही, सरकार ने महिला कर्मचारियों की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए एक और संवेदनशील फैसला लिया है. अब राज्य की सभी महिला कर्मचारियों को उनके घर से 40 किलोमीटर के दायरे के भीतर ही पोस्टिंग दी जाएगी, ताकि वे अपनी व्यक्तिगत और व्यावसायिक जिम्मेदारियों को बिना किसी तनाव के निभा सकें.

70,000 युवाओं को पारदर्शी नौकरियां मुख्यमंत्री मान ने इस मौके पर अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि सरकारी कर्मचारी प्रशासनिक व्यवस्था की रीढ़ हैं. एक संतुष्ट कर्मचारी ही सिस्टम को बेहतर बना सकता है. उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने अपने कार्यकाल में अब तक बिना किसी भ्रष्टाचार और पूरी पारदर्शिता के साथ कटकराव का रास्ता छोड़कर संवाद का जरिया चुना. इस बैठक में न सिर्फ डीए बढ़ाने पर सहमति बनी, बल्कि मुख्यमंत्री ने भविष्य में किसी भी विवाद से बचने के लिए कर्मचारी प्रतिनिधियों के साथ हर महीने अनिवार्य रूप से बैठक करने का भी निर्देश दिया है.इसके साथ ही, सरकार ने महिला कर्मचारियों की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए एक और संवेदनशील फैसला लिया है. अब राज्य की सभी महिला कर्मचारियों को उनके घर से 40 किलोमीटर के दायरे के भीतर ही पोस्टिंग दी जाएगी, ताकि वे अपनी व्यक्तिगत और व्यावसायिक जिम्मेदारियों को बिना किसी तनाव के निभा सकें.

70,000 युवाओं को पारदर्शी नौकरियां रीब 70,000 युवाओं को सरकारी नौकरियकिसी तनाव के निभा सकें.

70,000 युवाओं को पारदर्शी नौकरियां मुख्यमंत्री मान ने इस मौके पर अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए निक व्यवस्था की रीढ़ हैं. एक संतुष्ट ां मुहैया कराई है. इसके अलावा, पुरानी पेंशन योजना (व्च्ै) और अन्य लंबित भत्तों पर भी सरकार सहानुभूतिपूर्वक विचार कर रही है.

वेटलिफ्टिंग में भारत का 28 साल का इंतजार खत्म, मीराबाई चानू ने जीता सिल्वर मेडल

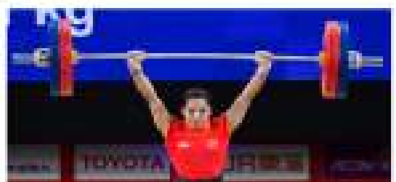

भारतीय वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने बुधवार को एशियन गेम्स 2026 में मेडल जीतकर इतिहास रच दिया. ओलंपिक और कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीतने वाली भारतीय एथलीट मीराबाई का ये एशियन गेम्स में पहला मेडल था. मीराबाई ने महिलाओं के 49 किग्रा इवेंट में सिल्वर मेडल जीता. इससे भी अहम बात यह है कि उन्होंने वेटलिफ्टिंग में मेडल जीतने के लिए भारत के 28 साल के इंतजार को खत्म किया.

मीराबाई ने ओलंपिक में रजत पदक, विश्व चैंपियनशिप में एक स्वर्ण सहित तीन पदक तथा राष्ट्रमंडल खेलों और राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक के अलावा एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक भी जीता है.मीराबाई चानू वेटलिफ्टिंग में भारत के 28 साल का इंतजार किया खत्म मीराबाई चानू वेटलिफ्टिंग में भारत के 28 साल का इंतजार किया खत्म (५।छे)भारत का 28 साल का इंतजार खत्म हुआकर्णम मल्लेश्वरी ने 1998 के एशियन गेम्स में वेटलिफ्टिंग में सिल्वर मेडल जीता था और अगले 28 सालों तक भारत को वेटलिफ्टिंग में पोडियम तक पहुंचने का इंतजार करना पड़ा. चानू ने 28 सालों में एशियन गेम्स में भारत का पहला वेटलिफ्टिंग मेडल जीता.

इस जीत ने मीराबाई चानू की उपलब्धियों की सूची में एक कमी को भी पूरा किया, क्योंकि उन्होंने ओलंपिक, वर्ल्ड चैंपियनशिप और कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीते थे, लेकिन इस इवेंट मेडल हमेशा उनकी

श्वेता विजन
सच देखे । सही दिखाए

'राणाबली' का पहला गाना 'एंधाय्या सामी' इस दिन होगा रिलीज, विजय–रश्मिका की दिखेगी खूबसूरत केमिस्ट्री

: राणाबाली फिल्म अपनी घोषणा के समय से ही साल की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक बन गई है. इस फिल्म में ऑन–स्क्रीन ही नहीं बल्कि ऑफ–स्क्रीन भी बेहद पसंद की जाने वाली विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की जोड़ी स्क्रीन शेयर करती दिखाई देने वाली है. फिल्म के जरिए माइथ्री मूवी मेकर्स एक अनकही ऐतिहासिक कहानी पेश करने वाला है. अपने एलान के बाद से ही, मेकर्स ने शानदार कैरेक्टर पोस्टर, गाने और खास झलकियों के साथ फिल्म को देखने के लिए बेसब्री बढ़ा दी है, जिससे फैंस की उत्सुकता सातवें आसमान पर है. बता दें कि राणाबाली इस दशहरा के पावन अवसर पर अपनी ग्रैंड रिलीज के लिए तैयार है. 'राणाबाली' को लेकर दर्शको के बीच समय के साथ उत्साह बढ़ते जा रहा है, ऐसे में इसमें इजाफा करते हुए मेकर्स ने इसके पहले गाने की रिलीज डेट का आधिकारिक तौर पर ऐलान कर दिया है. जारी किये गए इस जबरदस्त अपडेट के साथ, मेकर्स ने विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना के शानदार स्प्लिट पोस्टर साझा किये हैं. कहना गलत नहीं होगा की यह पोस्टर फिल्म की रोमांस से भरी दुनिया में दर्शको को अपने साथ लेकर जा रहा है. म्यूजिकल जोड़ी अजय–अतुल ने इस कमाल के गाने को कंपोज किया है, जिसे मेकर्स कुल पांच भारतीय भाषाओं में रिलीज करेंगे.इस अपडेट की जानकारी साझा करते हुए मेकर्स ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्टर संग अनाउंसमेंट कर लिखा है, 'साल का सबसे ज्यादा इंतजार किया जाने वाला लव सॉन्ग एक बार फिर आपकी प्लेलिस्ट पर छाने के लिए तैयार है. रुदंईसप का पहला गाना 21 सितंबर को रिलीज होगा. रून्दकीललैंउप दृ तेलुगु'राणाबाली का ग्रैंड रिलीज 16.10.26 को दुनिया भर में होगा. इस सीजन में म्यूजिक जायंट टी–सीरीज के सपोर्ट से बना यह गाना एक बड़ा म्यूजिकल हाईलाइट बनने का वादा करता है.

'राणाबाली' अच्छाई और बुराई के बीच की कभी न खत्म होने वाली लड़ाई को दिखाने वाली एक दमदार कहानी है, एक ऐसी थीम जो दशहरा की रूह और अच्छाई की बुराई पर जीत को पेश करती है. मेकर्स ने फिल्म को प्री–दशहरा वीकेंड पर रिलीज करने का फैसला लिया है, जो दर्शकों के बीच की होली–डे एनर्जी को बढ़ा रहा है. इस तरह से दर्शकों को त्योहार के साथ एक शानदार सिनेमाई अनुभव का जश्न मनाने का मौका मिल रहा है.राणाबाली को राहुल संकृत्यायन के डायरेक्शन में बनाया गया है. बतौर लीड विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की जोड़ी इस फिल्म में एक बार फिर साथ नजर आने वाली है. फिल्म में दोनों बिल्कुल अलग और कभी न देखे गए अवतार में नजर आने वाले हैं, जो कि बिल्कुल नया और ज्यादा रॉ है. बड़े प्रोडक्शन स्केल, इंटेंस कहानी और अजय–अतुल के शानदार म्यूजिक के साथ 'राणाबाली' अक्टूबर 2026 में फेस्टिव सीजन की सबसे

खेल–खेल में जानिए रामोजी की उपलब्धियां–योगदानय इस गेम के बच्चे हुए दीवाने

लखनऊः राजधानी में 12 से 21 सितंबर तक लगे गोमती पुस्तक महोत्सव में चर्चा सिर्फ किताबों की ही नहीं रही. एक अनोखे गेम ने भी खूब सुर्खियां बटोरीं. हैदराबाद के रघुवंदन वाडला ने अपने स्टॉल पर खुद के द्वारा ईजाद एक गेम भी बच्चों के लिए रखा, जो मनोरंजन के साथ ही उनको जानकारी भी देता है. ये गेम है 'ग्रेट इंडियन ट्रेजर'. खास बात यह कि इस गेम में रामोजी ग्रुप के संस्थापक स्वर्गीय रामोजी राव से जुड़े सवाल भी पूछे गए हैं. इसके साथ ही उनकी तस्वीर भी लगी है. आइए जानते हैं, बच्चों को मनोरंजन उपलब्ध कराने के साथ ही जानका. रियां देने का कितना अनोखा है ये प्रयास, पढ़िए रिपोर्ट...

रामोजी ग्रुप के संस्थापक रामोजी राव के बारे में जानने की बच्चों में दिलचस्पी (टपकमव ब्लमकपजय म्ग्ट ठींतजगोमती पुस्तक महोत्सवलखनऊ में आयोजित गोमती पुस्तक महोत्सव में 200 से अधिक पुस्तक स्टॉल लगाए गए, जहां शहर और आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं, शिक्षक और पुस्तक प्रेमी पहुंचे. पुस्तक महोत्सव में अलग–अलग विषयों की किताबें लोगों के आकर्षण का केंद्र बनीं. मेले में अंग्रेजी–हिंदी, उर्दू, भोजपुरी के साथ भारत की अन्य क्षेत्रीय भाषा में किताबें देखने को मिलीं. सबसे ज्यादा बिकने वाली किताब मुंशी प्रेमचंद की गोदान रही. उसके अलावा मुसाफिर कैफे' को भी पाठकों ने खूब पसंद किया. धार्मिक किताबों में भागवत गीता, रामचरितमानस और हनुमान चालीसा की भी जमकर खरीदारी हुई. जानिए रामोजी राव के बारे में

जानिए रामोजी राव के बारे में (चिवजव ब्लमकपजय म्ग्ट ठींतंज)

कौन है रघुनंदन वाडला

रघुनंदन वाडला मूलतः हैदराबाद के रहने वाले हैं. वह खुद अपनी किताबों के लेखक हैं और देश की कई बड़ी हस्तियों के बारे में अध्ययन और लेखन कर चुके हैं. उन्होंने भारत के पूर्व राष्ट्रपति और महान वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम से भी मुलाकात की है. इसी अनुभव और सोच को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने देश की दिग्गज हस्तियों पर आधारित 'द ग्रेट इंडियन ट्रेजर बोर्ड गेम' तैयार किया. इस बोर्ड गेम की खासियत यह है कि इसमें देश की महान और प्रेरणादायक हस्तियों के बारे में जानकारी दी गई है.गेम के बारे में जानिए

गेम के बारे में जानिए (चिवजव ब्लमकपजय म्ग्ट ठींतंज)

गेम का उद्देश्यरघुनंदन कहते हैं, इस बोर्ड गेम का उद्देश्य बच्चों को सिर्फ मनोरंजन उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि खेल–खेल में उन्हें देश की महान हस्तियों, उनके संघर्ष, उपलब्धियों और जीवन यात्रा से परिचित कराना है. इसके जरिए बच्चों में यह सोच विकसित करने की कोशिश की गई है कि करियर के लिए सिर्फ सरकारी नौकरी ही एकमात्र विकल्प नहीं है. देश और दुनिया में ऐसी तमाम शख्सियतें हुई हैं, जिन्होंने सरकारी नौकरी किए बिना अपने क्षेत्र में बड़ी पहचान बनाई और देश के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया. उनकी

सलमान खान की 'मातृभूमि' को नहीं मिली ब्ठथ्ब् से राहत, चीन से जुड़े कनेक्शन के कारण अटकी फिल्म की रिलीज?

सलमान खान की बहुप्रतीक्षित वॉर ड्रामा फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' के सामने एक और रुकावट आती दिख रही है. खबर है कि चीन से इसके कनेक्शन के कारण फिल्म के सर्टिफिकेशन में देरी हो रही है. इससे पहले ऐसी खबरें थीं कि सीबीएफसी द्वारा अगले हफ्ते फिल्म की स्क्रीनिंग किए जाने की उम्मीद के बाद फिल्म का काम आगे बढ़ सकता है. हालांकि, एक ताजा रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस मामले में अभी तक कोई प्रगति नहीं हुई है.

हाल ही में सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया गया था कि'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' की स्क्रीनिंग अगले हफ्ते सेंसर बोर्ड के सामने होनी है, जिससे इसके जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने की अटकलें लगने लगीं. लेकिन एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि ऐसी कोई स्क्रीनिंग तय नहीं की गई है और जियो–पॉलिटिकल बैकग्राउंड की वजह से फिल्म की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है.

फिल्म की सीबीएफ स्क्रीनिंग अभी तक तय नहीं हुई है. सोर्स ने बताया, 'काश ये खबरें सच होतीं. लेकिन भारी मन से मुझे आपको बताना पड़ रहा है कि दुख की बात है कि इसकी सीबीएफसी स्क्रीनिंग के बारे में कोई अपडेट नहीं है. चीन से जुड़े मामले की वजह से फिल्म अभी भी अटकी हुई है.2026 में रिलीज होने की संभावना पर बात करते हुए सोर्स ने कहा, जैसा कि पहले कहा गया है, सब कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि मामले कब सुलझते हैं. अगर यह जल्दी हो जाता है, तो मेकर्स निश्चित रूप से 2026 में ही फिल्म को सिनेमाघरों में लाने की कोशिश करेंगे, हालांकि इसके लिए पर्याप्त खाली स्लॉट उपलब्ध नहीं हैं. वरना, इसे 2027 के लिए टाल दिया जाएगा. 'रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स इस मसले को सुलझाने के लिए संबंधित सरक. ारी अधिकारियों से बातचीत कर रहे हैं. उम्मीद है कि मामला सुलझने के बाद फिल्म सीबीएफसी सर्टिफिकेशन के लिए आगे बढ़ेगी, जिसके बाद मेकर्स इसे सिनेमाघरों में रिलीज करने की दिशा में काम कर सकेंगे. हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि इस प्रक्रिया में कितना समय लग सकता है.यह फिल्म भारत और चीन के बीच 2020 में हुई सैन्य झड़प पर आधारित है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों देशों के बीच हाल ही में राजनयिक संबंधों में सुधार के बावजूद रक्षा मंत्रालय ने फिल्म के कुछ खास कंटेंट को लेकर चिंता जताई है. इस साल की शुरुआत में आई रिपोर्ट्स से संकेत मिला था कि आधिकारिक मंजूरी पाने के लिए फिल्म से 'चीन' के जिक्र को पूरी तरह हटाया जा सकता है.

केंद्रीय मंत्रालय ने 18वें प्ध्थ्ड्ढ में 31 फिल्मों की स्क्रीनिंग पर लगाई रोक

केंद्रीय मंत्रालय ने 18वें प्ध्थ्ड्ढ में 31 फिल्मों की स्क्रीनिंग पर लगाई रोक केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने केरलम राज्य चलचित्र अकादमी द्वारा आयोजित 18वें इंटरनेशनल डॉक्यूमेंट्री एंड शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल ऑफ केरलम (प्ध्थ्ड्ढ) में दिखाई जाने वाली 31 फिल्मों को दिखाने की मंजूरी नहीं दी. मंजूरी उन फिल्मों के लिए नहीं दी गई जिन्हें आधिकारिक तौर पर फेस्टिवल के लिए चुना गया था. यह फेस्टिवल 25 से 30 सितंबर तक तिरुवनंतपुरम में होने वाला है. मंजूरी न पाने वाली फिल्मों में एक मलयालम फिल्म भी शामिल है.

बता दें, फिल्म फेस्टिवल में बिना सेंसर वाली फिल्में दिखाने की छूट पाने के लिए, केंद्र सरकार को फिल्मों की एक लिस्ट देनी होती है. इसी के तहत, चलचित्र अकादमी ने प्ध्थ्ड्ढ में दिखाई जाने वाली 347 फिल्मों की एक लिस्ट सूचना और प्रसारण मंत्रालय को सौंपी, साथ ही उन फिल्मों की थीम का छोटा सारांश भी दिया.इसके बाद, मंत्रालय के कहने पर अकादमी ने 40 फिल्मों की डिटेल्ड सिनॉप्सिस और स्क्रीनर भेजे, जिसके बाद ही 31 फिल्मों को दिखाए जाने की इजाजत नहीं दी गई.

पर्यटन, संस्कृति और सिनेमा मंत्री पी. सी. विष्णुनाथ ने केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय से मांग की कि वह चलचित्र अकादमी की सिलेक्शन कमिटी द्वारा चुनी गई कुछ फिल्मों की स्क्रीनिंग की अनुमति न देने के अपने फैसले पर फिर से

रिलीज से एक दिन पहले 'द पैराडाइज' ने छापे करोड़ों, इतना होगा नानी की फिल्म का डे 1 कलेक्शन, जानें रनटाइम और बहुत कुछ

नानी और राघव जुयाल स्टारर 'द पैराडाइज' 24 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है. इस एक्शन ड्रामा फिल्म का क्रेज साफ दिख रहा है और इसकी शानदार एडवांस बुकिंग के आंकड़े इसका सबूत हैं. 'द पैराडाइज' ने पूरे भारत में प्री–सेल्स में 40 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है और यह नानी की अब तक की सबसे बड़ी ओपनर फिल्म बनने की राह पर है. यह सब तब हो रहा है जब मेकर्स ने फिल्म का थिएट्रिकल ट्रेलर जारी नहीं किया, क्योंकि वे फिल्म से जुड़े सस्पेंस को बनाए रखना चाहते थे. लगता है कि उनका यह फैसला उनके हक में काम कर रहा है.सैकनिल्क के अनुसार, 'द पैराडाइज' ने 6 शो की तारीखों के लिए एडवांस बुकिंग में 41. 33 करोड़ रुपये की कमाई की है. ब्लॉक सीटों को छोड़कर यह आंकड़ा 34.29 करोड़ है. पहले दिन (गुरुवार, 24 सितंबर) 20. 25 करोड़ की कमाई के साथ सबसे आगे है. हैदराबाद सबसे ज्यादा योगदान देने वाला शहर बनकर उभरा है, जहां अकेले इसी शहर से फिल्म ने 7 करोड़ रुपये से ज्यादा की एडवांस ग्रॉस कमाई की है.फिल्म की एडवांस बु. किंग में जबरदस्त परफॉर्मेंस का मुख्य कारण तेलुगु भाषी बाजार हैं. तेलंगाना और आंध्र प्रदेश से सबसे अच्छा रिस्पॉन्स मिला है, जबकि कर्नाटक का भी इसमें अहम योगदान है. 'द पैराडाइज' के लिए चुनौती यह होगी कि फिल्म रिलीज होने के बाद हिंदी बेल्ट और अन्य भाषाओं में इसका आंकड़ा और बढ़ जाए. हालांकि टिकट विंडो पर दबदबा बनाने के लिए फिल्म को एक बड़ा फायदा यह है कि इसका कोई कॉम्पिटिशन नहीं है. जैसे–जैसे रिलीज का समय नजदीक आ रहा है, उम्मीदें बढ़ती जा रही हैं और एडवांस बुकिंग जोरों पर हैजा आंकड़ों के अनुसार, 'द पैराडाइज' नानी की अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग देने की राह पर है. उनके करियर की पिछली सबसे बड़ी ओपनिंग 'हिटः द थर्ड केस' के नाम थी, जिसने पहले दिन दुनिया भर में लगभग 43 करोड़ रुपये की कमाई की थी. अब उम्मीद है कि 'द पैराडाइज' उस आंकड़े को पार कर जाएगी. मौजूदा अनुमानों के मुता. बिक, इसकी वर्ल्डवाइड ओपनिंग 50 करोड़ से 60 करोड़ रुपये के बीच हो सकती है.'द पैराडाइज' को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन से 'ए' सर्टिफिकेट मिला है. एडल्ट रेटिंग के बावजूद, फिल्म की एडवांस बिक्री जबरदस्त रही है. नानी के इस जबरदस्त फिल्म का रनटाइम लगभग 165 मिनट है.

नानी की पीरियड एक्शन ड्रामा की थिएट्रिकल रिलीज के लिए फिल्म को बहुत बड़े पैमाने पर रिलीज किया जा रहा है, खासकर उन बाजारों में जहां इसकी सबसे ज्यादा पकड़ है. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नानी ने यह हासिल कर लिया है जो बड़े–बड़े स्टार्स के लिए भी एक सपने जैसा होता है. हैदराबाद में, 78 में से 77 सिंगल स्क्रीन सिनेमाघरों में यह फिल्म दिखाई जाएगी. यह इस साल की सबसे बड़ी रिलीज और नानी के लिए एक जबरदस्त रिकॉर्ड है.

'द पैराडाइज' के बारे में

'द पैराडाइज' फिल्म 'दसरा' के बाद नानी और श्रीकांत ओडेला की दूसरी फिल्म है. यह फिल्म दुनिया भर में 24 सितंबर, 2026 को रिलीज होगी, जबकि इसके पेड प्रीमियर शो 23 सितंबर से शुरू होंगे. इसकी कहानी 1980 के दशक के सिकंदराबाद पर आधारित है और यह नानी के किरदार 'जदल' के इर्द–गिर्द घूमती है. जदल एक पिछड़े आदिवासी समुदाय का व्यक्ति है जो न्याय के लिए एक बड़ी लड़ाई का हिस्सा बनता है. कायदू लोहार भी मुख्य कलाकारों में शामिल हैं, जबकि सोनाली कुलकर्णी नानी की मां 'सम्मक्का' की अहम भूमिका निभा रही हैं. राघव जुयाल, जो इस फिल्म से तेलुगु सिनेमा में डेब्यू कर रहे हैं, विलेन का किरदार निभा रहे हैं.

published by KALIDINDI SUMALATHA from 1-7-750/1-3, F 103, SRUTHI SADAN APTS ST PIOUS SCHOOL ROAD, RAMNAGAR, HYDERABAD, TELANGANA - 500020. on behalf of RS USAR PUBLICATIONS, edited by RAGHURAMA RAJU KALIDINDI and printed by KALIDINDI SUMALATHA at KING DIGITAL OFFSET PRINTERS, 1-7-750/1-3, F 103, SRUTHI SADAN APTS ST PIOUS SCHOOL ROAD, RAMNAGAR, HYDERABAD, TELANGANA – 500020. PRGI NO: TGHIN/26/A7665, Email: rsusarp@myyahoo.com, 9849350555, 9515121467